▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 294 ▸▸मुंबई, बुधवार, 31 दिसंबर 2025 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

नामांकन का अंतिम दिन

उम्मीद, आंसू और भारी सियासी ड्रामा

सियासी दलों के कहीं मिले दिल तो कहीं पर टूटे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं (नगर निगम) के लिए नामांकन का अंतिम दिन उम्मीदों, आंसुओं और भारी सियासी ड्रामे के नाम रहा। जहां एक ओर उम्मीदवारों ने शक्ति प्रदर्शन के साथ पर्चे दाखिल किए, वहीं टिकट कटने से नाराज नेताओं के सब्र का बांध भी टूटा। दूसरी ओर नफा-नुकसान देखते हुए राजनीतिक दलों ने गठबंधन की रणनीति अपनाई है। मंगलवार को नामांकन की अंतिम तिथि तक गठबंधन और सीट बंटवारे को लेकर लगातार बैठकों का दौर चलता रहा। सत्ताधारी महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी के घटक दल कई जगह आमने-सामने हैं, तो कहीं मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं।

14 महानगरपालिकाओं में सीधी टक्कर

मुंबई सहित 10 महानगरपालिकाओं को छोड़ दें, तो अधिकांश स्थानों पर महायुति एकजुट नहीं रह सकी। स्थिति यह है कि 14 महानगरपालिकाओं में बीजेपी और शिंदे सेना एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान में उतर गई हैं। इससे स्थानीय स्तर पर मुकाबला और अधिक तीखा होने की संभावना है।

स्थानीय समीकरणों के हिसाब से फैसले

कई महानगरपालिकाओं में अंतिम समय तक बातचीत के बावजूद सहमति नहीं बन सकी। नतीजतन, कुछ जगहों पर बीजेपी और शिंदे सेना के बीच सीधी टक्कर हो रही है। वहीं कुछ शहरों में बीजेपी ने एनसीपी के साथ, तो कहीं शिंदे सेना और एनसीपी ने मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इससे स्पष्ट है कि एकरूप रणनीति के बजाय स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिए गए।

मुंबई और ठाणे में बनी सहमति

मुंबई महानगरपालिका में आखिरकार बीजेपी और शिंदे सेना के बीच सीटों का बंटवारा हो गया। मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम ने बताया कि बीजेपी 137 सीटों पर और शिंदे गुट 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। ठाणे के अलावा कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी-निजामपुर, नागपुर, वसई-विरार, पनवेल, चंद्रपुर, कोल्हापुर और जलगांव में भी दोनों दल साथ चुनाव लड़ेंगे।

मीरा-भायंदर और नवी मुंबई में अलग राह

नवी मुंबई, मीरा-भायंदर, उल्हासनगर समेत कई महानगरपालिकाओं में गठबंधन नहीं हो सका। मीरा-भायंदर में स्थानीय विधायक नरेंद्र मेहता के रुख के चलते समझौता नहीं बन पाया। शिंदे सेना के मंत्री प्रताप सरनाईक ने अंतिम समय तक प्रयास किए, लेकिन बीजेपी को अपनी एकतरफा जीत की उम्मीद दिखाई दे रही है।

कांग्रेस गठबंधन पर संकट

मुंबई नगर निगम चुनावों के लिए कांग्रेस और वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के बीच बहुचर्चित गठबंधन को जमीनी हकीकत का सामना करना पड़ा है। प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाली वीबीए के पास उसे आवंटित 62 सीटों में से 20 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार ही नहीं हैं। वीबीए के इस खुलासे के बाद कांग्रेस को अपनी चुनावी रणनीति पर फिर से काम करना पड़ सकता है। 227 सदस्यीय बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए रविवार को कांग्रेस और वीबीए के बीच 143-62 सीटों के बंटवारे की घोषणा की गई थी।

उम्मीदवारों का हाल

पूर्व महिला अध्यक्ष को आया हार्ट अटैक

मीरा-भायंदर महानगरपालिका चुनाव में सबसे चौंकाने वाली खबर भाजपा खेमे से आई। यहां पूर्व महिला जिला अध्यक्ष वनिता बने की बेटी श्रद्धा बने को टिकट मिलने की पूरी उम्मीद थी। लेकिन ऐन वक्त पर उनका नाम कटने की खबर जैसे ही पूर्व महिला जिला अध्यक्ष वनिता बने तक पहुंची, उन्हें गहरा सदमा लगा और उन्हें दिल का दौरा (Heart Attack) पड़ गया।

फूट-फूटकर रोईं उद्धव गुट की नेता

मुंबई में उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) की निष्ठावान नेता माधुरी मांजरेकर का टिकट कटने से वह पूरी तरह टूट गई हैं। 35 वर्षों से संगठन से जुड़ी मांजरेकर ने रोते हुए अपना दर्द बयां किया। उन्होंने कहा, "2017 में भी मेरी बलि दी गई, मैंने पार्टी के लिए काम किया। इस बार खुद उद्धव जी ने मुझे चुनाव लड़ने को कहा था।

राज ठाकरे ने की उद्धव ठाकरे से मुलाकात

वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे ने मंगलवार शाम को अपने सहयोगी और चचेरे भाई, शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। यह बैठक अगले माह होने वाले नागरिक निकाय चुनावों के लिए नामांकन पत्र जमा करने की समय सीमा समाप्त होने के ठीक बाद हुई। राज ठाकरे ने बांद्रा स्थित उद्धव ठाकरे के निवास 'मातोश्री' में उनसे भेंट मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच इस मुलाकात को सीट बंटवारे में आखिरी मिनट की छोटी-मोटी दिक्कतों को सुलझाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि अभी भी यह साफ नहीं है कि दोनों पार्टियां बीएमसी में कितने स्थानों पर चुनाव लड़ रही हैं, सूत्रों के अनुसार, शिवसेना (यूबीटी) 150 से ज्यादा जगहों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। वहीं, 11 जगहों पर शरद पवार के नेतृत्व वाली (एनसीपी) को दिए गए हैं, जबकि बाकी सीटे एमएनएस को मिलेंगी।

'मौत' बनकर आई बस

▸▸मुंबई के भांडुप में बस ने 13 लोगों को कुचला

▸▸रिवर्स करते समय हादसा, ड्राइवर हिरासत में

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के भांडुप में रेलवे स्टेशन के बाहर सोमवार देर रात एक बस ने 13 पैदल यात्रियों को कुचल दिया। हादसे में 3 महिला सहित 4 लोगों की मौत हो गई। 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मुंबई पुलिस ने बताया कि हादसा रात 9:35 बजे बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (BEST) की बस से हुआ।शुरुआती जानकारी के अनुसार, BEST की बस रिवर्स करते समय बेकाबू हो गई और सड़क पर चल रहे लोगों को चपेट में ले लिया।। हादसे के बाद बस ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है। घटना के बाद एम्बुलेंस, मुंबई फायर ब्रिगेड और BEST की टीम मौके पर पहुंची। पीड़ितों को तुरंत एम्बुलेंस की मदद से राजावाड़ी और एम.टी. अग्रवाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 4 लोगों की मौत की पुष्टि हुई। मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। बस ने एक बिजली के खंभे को भी टक्कर मारी, जिससे वह गिर गया। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

बस ने एक व्यक्ति का सिर कुचला: प्रत्यक्षदर्शी

मौके पर मौजूद एक प्रत्यक्षदर्शी, फार्मासिस्ट सैमिनी मुदलियार ने बताया कि वह पास के बस स्टॉप पर अपनी बस का इंतजार कर रही थीं। तभी एक तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। मुदलियार ने कहा- अगले ही पल मैंने लोगों को बस से टकराते हुए उछलकर गिरते देखा। बस कुछ देर बाद रुक गई।मुदलियार ने बताया कि बस के नीचे लोग फंसे थे। लोग बस को उठाने और धकेलने लगे। बस के पास हर तरफ खून फैला था। कई लोग जख्मी हालत में पड़े थे। एक व्यक्ति का सिर बुरी तरह कुचला हुआ था, मानो बस उसके ऊपर से गुजरी हो, जबकि दूसरे की जांघ के पास चोट लगी थी।

अतिक्रमण के कारण लोग सड़क पर थे

एक प्रत्यक्षदर्शी ने फुटपाथ पर ठेलेवालों के अतिक्रमण को हादसे का कारण बताया है। उनके अनुसार, फुटपाथ पर जगह न होने के कारण पैदल यात्रियों को सड़क पर उतरना पड़ा, जिससे हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, यह इलाका हमेशा भीड़भाड़ वाला रहता है। सस्ती सब्जियां मिलने के कारण यहां लोगों की संख्या और बढ़ जाती है, जिससे स्थिति और जटिल हो जाती है। भारी भीड़ के कारण बसों को यू-टर्न लेने में दिक्कत होती है।

बस चालक के खिलाफ एफआईआर की तैयारी

डीसीपी हेमराज सिंह राजपूत ने बताया कि बस चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। बस की मैकेनिकल और तकनीकी जांच कराई जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही हादसे की असली वजह स्पष्ट हो पाएगी। हादसे में शामिल बस 'वेट लीज' मॉडल पर ऑलेक्ट्रा ग्रीनटेक कंपनी से ली गई थी।

BEST ने बसों की कमी के चलते मिनी बसें शुरू की थीं

BEST मुंबई में पब्लिक बस ट्रांसपोर्ट की प्रमुख सर्विस है, जो शहर और उपनगरीय इलाकों को जोड़ती है। इसके पास लगभग 2,700-3,200 तक बसें हैं। इनमें सामान्य, लिमिटेड, एसी और इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं। BEST बस सेवा बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) के अधीन है। एक सीनियर सिविक ऑफिसर ने बताया कि इस साल की शुरुआत में भांडुप स्टेशन से संजय गांधी नेशनल पार्क तक, घनी आबादी वाली बस्तियों को जोड़ने वाले रास्तों से मिनी बसें हटा ली गई थीं।

CM ने मृतकों के परिजन को 5 लाख मदद की घोषणा की

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना पर शोक जताते हुए मृतकों के परिजन को 5 लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि दी और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

ब्रीफ न्यूज़

प्रसिद्ध लेखिका मैत्रेयी पुष्पा को मिला इफको साहित्य सम्मान

नई दिल्ली। देश की अग्रणी सहकारी संस्था इफको (इफको) ने मंगलवार को प्रसिद्ध कथाकार मैत्रेयी पुष्पा को इफको साहित्य सम्मान 2025 से सम्मानित किया। इसी समारोह में युवा लेखिका अंकिता जैन को उनकी पुस्तक 'ओह रे! किसान' के लिए इफको युवा साहित्य सम्मान प्रदान किया गया। नई दिल्ली स्थित कमानी सभागार में इफको के चेयरमैन दिलीप संघानी दोनों लेखिकाओं को सम्मानित किया। समारोह में मैत्रेयी पुष्पा की कहानी 'गुनहगार' पर आधारित नाट्य प्रस्तुति भी की गई। सम्मान ग्रहण करने वाली मैत्रेयी पुष्पा का जन्म 30 नवंबर 1944 को अलीगढ़ जिले के सिकुर्रा गांव में हुआ। उनका बचपन झांसी जिले के खिल्ली गांव में बीता।

छेड़छाड़ के आरोपी अतिथि प्रोफेसर को जमानत

मुंबई। एक अदालत ने शहर के एक कॉलेज के वार्षिक समारोह में छात्राओं से कथित छेड़छाड़ के आरोप में अतिथि प्रोफेसर को जमानत दे दी है। अतिरिक्त सेशन कोर्ट रूपाली पवार ने सोमवार को उनकी जमानत याचिका मंजूर कर ली। विस्तृत अदालती आदेश अभी उपलब्ध नहीं है। आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले के अनुसार, आरोपी को 24 नवंबर को कॉलेज के सालाना कार्यक्रम में अतिथि प्रोफेसर के तौर पर बुलाया गया था। पुलिस ने शिकायत का हवाला देते हुए बताया कि अतिथि प्रोफेसर ने कथित तौर पर नौ छात्रा वॉलंटियर्स के साथ दुर्व्यवहार किया।

मुंबई में नए साल पर कड़े सुरक्षा इंतजाम

▸▸कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

साल 2025 खत्म होने को है और दुनिया 2026 का स्वागत करने जा रही है। मुंबई में भी नए साल के जश्न को लेकर सुरक्षा के इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। डीसीपी अकबर पठान ने बताया कि 31 दिसंबर 2025 को धार्मिक कार्यक्रमों, होटलों और शॉपिंग मॉल्स पर आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में नागरिक नए वर्ष का स्वागत करेंगे।

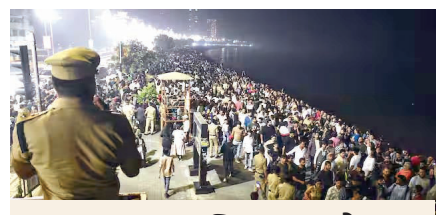

यातायात नियंत्रण और सुरक्षा बल की तैनाती

मुंबई पुलिस ने नागरिकों के सुरक्षित उत्सव के लिए यातायात विभाग के साथ समन्वय करते हुए 10 अपर पुलिस आयुक्त, 38 पुलिस उपायुक्त, 61 सहायक पुलिस आयुक्त, 2,790 पुलिस अधिकारी और 14,200 पुलिस कर्मियों की तैनाती की है। इसका उद्देश्य शहर में यातायात को काबू में रखना और किसी प्रकार की घटनाओं को रोकना है। शहर के प्रमुख और संवेदनशील स्थलों पर एसआरपीएफ प्लाटून, क्यूआरटी टीमें, बीडीडीएस टीमें, आरसीपी प्लाटून और होमगार्ड्स भी तैनात किए जाएंगे।

मुंबई एयरपोर्ट पर फर्जी वीजा रैकेट का खुलासा

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमीग्रेशन अधिकारियों ने एक बड़े फर्जी वीजा रैकेट का भंडाफोड़ किया है। सोमवार को सर्बिया जाने वाले तीन यात्रियों को विदेश यात्रा से रोका गया। जांच में सामने आया कि उनके वीजा फर्जी थे। इस मामले में दो एजेंटों वेणुगोपाल रचकोंडा और प्रकाश के खिलाफ सहार पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि एजेंटों ने सर्बिया में अच्छी नौकरी दिलाने के नाम पर यात्रियों से लाखों रुपये की ठगी की।शिकायतकर्ता और इमीग्रेशन अधिकारी अक्षय संपल रहाणे के अनुसार, रात की ड्यूटी के दौरान इस्तांबुल के रास्ते सर्बिया जाने वाले यात्रियों के पासपोर्ट की जांच की गई, जिसमें वीजा संदिग्ध पाए गए। यात्रियों की पहचान सुमन गौड़ा, चिन्नैया बेग्गारापु और सुधीर कुमार अनकम के रूप में हुई है, जो तेलंगाना के निवासी हैं। एजेंटों ने उन्हें 1000 यूरो मासिक वेतन की नौकरी का लालच दिया था।

वार्ड 34 में नामांकन को लेकर सियासी ड्रामा

▸▸कांग्रेस विधायक के बेटे के सामने नहीं भरा पर्चा

▸▸भाजपा ने लोकल ट्रेन से भेजा एबी फॉर्म फिर भी शिंदे गुट का उम्मीदवार पीछे हटा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बीएमसी चुनाव के नामांकन के दौरान मंगलवार को वार्ड नंबर 34 में उस समय राजनीतिक हलचल तेज हो गई, जब शिवसेना (शिंदे) के उम्मीदवार ने कांग्रेस विधायक असलम शेख के बेटे हैदर असलम शेख के खिलाफ नामांकन दाखिल नहीं किया, जबकि पार्टी की ओर से उसे एबी फॉर्म जारी किया जा चुका था। अंतिम समय पर नामांकन न होने की जानकारी मिलते ही स्थानीय भाजपा नेताओं में हड़कंप मच गया।

लोकल ट्रेन से भेजा गया एबी फॉर्म

सूत्रों के अनुसार, शिंदे गुट के उम्मीदवार के पीछे हटने के बाद स्थिति संभालने के लिए आनन-फानन में लोकल ट्रेन से मालाड एबी फॉर्म भेजा गया। इसके बाद भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ता जॉन डेनिस से समय रहते नामांकन दाखिल कराया गया। तेजी से बदले इस घटनाक्रम ने वार्ड 34 की राजनीति को और दिलचस्प बना दिया है। बताया जा रहा है कि यह सीट महायुति के तहत शिंदे गुट के खाते में गई थी। यदि गठबंधन की ओर से समय पर नामांकन नहीं होता, तो कांग्रेस

उपलब्धि 180 KM प्रति घंटे की रफ्तार में भी नहीं छलका पानी

न्यू जनरेशन ट्रेन : वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का दमदार ट्रायल

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने हाई-स्पीड ट्रेनों की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने ट्रायल रन के दौरान 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार पकड़कर इतिहास रच दिया। यह सफल परीक्षण सवाई माधोपुर-कोटा-नागदा सेक्शन पर किया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। रेल मंत्री इसे न्यू जनरेशन ट्रेन बताते हुए भारतीय रेलवे के लिए बड़ा कदम बताया है।

सभी मानकों पर खरी उतरी ट्रेन

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन का कहना है कि यह ट्रायल वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के भविष्य के संचालन की दिशा में एक बड़ी तकनीकी सफलता है। इस परीक्षण ने ट्रेन की क्षमता और विश्वसनीयता को साबित किया है। यह उपलब्धि भारतीय रेलवे की स्वदेशी तकनीक, आधुनिक इंजीनियरिंग और आत्मनिर्भर भारत की सोच को मजबूती से सामने रखती है।

रेल मंत्री ने साझा किया वीडियो

मंगलवार शाम रेल मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि रेल सुरक्षा आयुक्त की निगरानी में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का परीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि कोटा-नागदा खंड पर 180 किमी प्रति घंटे की गति से दौड़ती यह ट्रेन भारत में विकसित नई पीढ़ी की रेल तकनीक की ताकत को दर्शाती है। इस ट्रायल ने न सिर्फ ट्रेन की गति क्षमता को साबित किया, बल्कि इसके आधुनिक डिजाइन और सुरक्षा मानकों पर भी मुहर लगा दी है। रेल मंत्री द्वारा शेयर किए गए वीडियो में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की तकनीकी मजबूती साफ नजर आती है।

महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद को शिक्षक भर्ती की जिम्मेदारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए अब राज्य स्तर पर शिक्षकों की भर्ती की जिम्मेदारी महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद को सौंप दी गई है। स्कूली शिक्षा विभाग ने मंगलवार को इससे संबंधित शासनादेश जारी किया।

एक ही संस्था के पास परीक्षा और चयन प्रक्रिया

महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद एक स्वायत्त संस्था है, जो पहले से ही शिक्षक पात्रता परीक्षा और शिक्षक अभियोग्यता व बुद्धिमत्ता परीक्षा (TAIT) का आयोजन करती आ रही है। परिषद द्वारा पहले भी शिक्षक भर्ती से जुड़े कार्य संभाले जा चुके हैं। इसी अनुभव को देखते हुए परीक्षा और चयन प्रक्रिया को एक ही संस्था के अंतर्गत लाने का निर्णय लिया गया है।

उल्हासनगर पालिका चुनाव

बदले गठबंधन, बढ़ा सियासी ताप

एकला चलो की राह पर भाजपा, सभी 78 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

आगामी 15 जनवरी, 2026 को होने वाले उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव से पहले शहर का राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। नामांकन के अंतिम दिन नाटकीय घटनाक्रम सामने आए, जब भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश वधारिया ने शिवसेना के साथ गठबंधन से इनकार करते हुए सभी 78 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। इस फैसले के बाद भाजपा चुनावी समर में कुछ हद तक अलग-थलग पड़ती नजर आ रही है।

नामांकन में अफरा-तफरी, बहुकोणीय मुकाबला

नामांकन के अंतिम चरण में प्रशासनिक स्तर पर भारी भीड़ देखी जा रही है। सोमवार तक 100 नामांकन दाखिल हुए थे, जिनमें से 97 आवेदन एक ही दिन में आए। समय सीमा समाप्त होने के कारण भाजपा विधायक कुमार ऐलानी की पत्नी मीना ऐलानी समेत कई प्रमुख उम्मीदवार नामांकन से वंचित रह गए। कांग्रेस, राकांपा, उद्धव ठाकरे गुट और एमएनएस की मौजूदगी ने मुकाबले को बहुआयामी बना दिया है। कलानी परिवार के लिए यह चुनाव राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई है, जबकि भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बागियों को साधना होगी। अंतिम फैसला अब 16 जनवरी, 2026 को मतपेटियों से ही सामने आएगा।

भाजपा में असंतोष, उम्मीदवार चयन पर सवाल

इधर, गठबंधन टूटने से भाजपा को अपने ही पुराने कार्यकर्ताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी ने 17–18 पूर्व पार्षदों समेत कई नए और युवा चेहरों को मौका दिया है, लेकिन कुछ पैनलों में पुराने नगरसेवकों के दबाव में सक्षम उम्मीदवारों को दरकिनार किए जाने की चर्चा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इसका नुकसान भाजपा को मतदान के दिन उठाना पड़ सकता है।

ओमी कलानी की चाल से बदले समीकरण

दूसरी ओर, ओमी कलानी की टीम यानी टीओके ने बड़ा राजनीतिक फैसला लेते हुए प्रभाग-12 के गजानंद शेलके और रगड़े की टीम को छोड़कर अपने अधिकांश उम्मीदवारों को शिवसेना के धनुष-बाण चिन्ह पर उतारने का निर्णय लिया है। इस कदम के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि टीओके का शिवसेना में प्रभावी विलय हो चुका है और ओमी कलानी के राजनीतिक फैसलों की कमान अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों में है।

सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय

शिवसेना, ओमी कलानी की टीम (टीओके) और साई पार्टी के बीच सीट बंटवारे का फॉर्मूला भी तय हो गया है। समझौते के तहत शिवसेना को 35, टीओके को 32 और साई पार्टी को 11 सीटें दी गई हैं। गौरतलब है कि 2017 में अकेले दम पर 11 सीटें जीतने वाली साई पार्टी इस बार भी उतनी ही सीटों पर चुनाव लड़ रही है और वह अपने पारंपरिक टीवी चुनाव चिन्ह के साथ पैनल 9, 11, 12 और 16 में किस्मत आजमा रही है।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

शहर में अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। 30 दिसंबर की रात करीब 2:25 बजे शांति नगर पुलिस ने गश्त के दौरान साईनगर की ओर जाने वाले मार्ग पर एक संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली। तलाशी में उसके पास से देसी बनावट की एक पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। जब्त हथियार की कीमत करीब 20,500 रुपए बताई जा रही है।

तड़ीपार आरोपी धारदार छुरे के साथ पकड़ा गया

दूसरे मामले में ठाणे मालमत्ता अपराध शाखा की टीम ने पद्मानगर हनुमान टेकरी के पास से एक युवक को संदिग्ध हालत में गिरफ्तार किया। उसके पास से लोहे का धारदार छुरा बरामद हुआ है। आरोपी की पहचान गौरीशंकर गोविंद प्रसाद पांडे (26), निवासी नारायण कंपाउंड, पद्मानगर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पांडे पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और उसे दो साल के लिए भिवंडी शहर से तड़ीपार किया गया था। इसके बावजूद वह आदेश का उल्लंघन करते हुए इलाके में घूम रहा था, जिसके चलते पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बिना लाइसेंस पिस्तौल रखने का मामला दर्ज

गिरफ्तार आरोपी की पहचान नईम मुजफ्फर अंसारी (35), निवासी गायत्री नगर, भिवंडी के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी के पास हथियार रखने का कोई वैध लाइसेंस नहीं था। इस पर शांति नगर पुलिस ने उसके खिलाफ भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 3 व 25 और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37(1) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि हथियार कहां से लाया गया और उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से होना था।

16 साल बाद हत्या का आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | पालघर

पालघर जिले के नालासोपारा में हत्या करने के बाद फरार हुए मुख्य आरोपी को पुलिस ने 16 साल बाद नायगांव इलाके से गिरफ्तार किया है। इस मामले की गहन छानबीन जारी है। नालासोपारा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक विशाल वलवी ने बताया कि 29 अप्रैल, 2009 को मीरा रोड के रहने वाले विनोद शंकरलाल जायसवाल (38) दलाली के पैसे मांगने के लिए नालासोपारा के बिलालपाड़ा इलाके में अविनाश लालताप्रसाद सोनी के पास गए थे। सोनी ने पहले से की गई साजिश के तहत विनोद के हाथ-पैर रस्सी और साड़ी से बांध दिए और तौलिए से उसका गला घोंट दिया। इस मामले में केस दर्ज किया गया था और आरोपी फरार हो गया था।

आखिरकार नहीं मिले बीजेपी और शिवसेना के सुर

- 26 पूर्वनगरसेवकों के भी कटे टिकट

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

मीरा-भाईंदर मनपा चुनाव में भाजपा और शिवसेना की युति को लेकर चल रही अटकलों को आखिरकार पूर्ण विराम लग गया। भाजपा के 87 उम्मीदवारों ने पर्चा भरा। वार्ड नंबर 18 की एक सीट आरपीआई के खाते में गई है। प्रभाग 9 और 22 की बची 8 सीटों पर पार्टी ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया।

भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि 'सबका साथ, सबका विकास' भाजपा की नीति है। उन्होंने कहा, 'प्रथम राष्ट्र, फिर दल और अंत में हम'—यही हमारा नारा है। पार्टी हर वर्ग और समाज के लोगों को जोड़ने की कोशिश करती है। स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देते हुए 24 सीटें (मराठी), 15 सीटें आगरी, 12 सीटें (गुजराती), राजस्थानी और उत्तर भारतीय समाज को समान रूप से 14-14 सीटें, एवं अन्य को 4 सीटें देकर एकरसता का प्रमाण दिया गया है। बागियों को मनाने का संकेत देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता निष्ठावान होते हैं; नाराज होकर कोई जाता भी है तो वह उसी तरह वापस भी आ जाता है। शहर के सर्वांगीण विकास के लिए अबकी बार 70 पार का लक्ष्य लेकर हम चुनाव में उतरे हैं। निष्ठावान कार्यकर्ताओं के बल पर महापौर भाजपा का ही होगा।

लड़ाई नरेंद्र मेहता और प्रताप सरनाईक के बीच

अब यह तो साफ हो गया है कि चुनाव में लड़ाई भाजपा के विधायक नरेंद्र मेहता और शिवसेना के कद्दावर नेता, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के बीच ही है। मनपा चुनाव को अकेले अपने दम पर जीतने का दम्भ भरने वाले दोनों नेताओं की साख दांव पर लगी है। बागियों को मनाने के साथ-साथ भीतर के घात से निपटना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है। इन चुनौतियों के बीच यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा अबकी बार 70 का लक्ष्य हासिल करेगी, या शिवसेना उसे पटखनी देगी।

ठाणे ईस्ट में बीजेपी सेना के पुराने लोगों को मौका

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

15 जनवरी 2026 को होने वाले मनपा चुनाव के लिए ठाणे के कोपरी इलाके में शिवसेना–बीजेपी गठबंधन ने एक बार फिर पुराने कॉर्पोरेटर्स को उम्मीदवार बनाया है। इस फैसले से स्थानीय कार्यकर्ताओं में नाराजगी फैल गई है, जबकि राजनीतिक गलियारों में इस निर्णय को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं को उम्मीद थी कि शिवसेना और बीजेपी का गढ़ माने जाने वाले इस क्षेत्र में इस बार नए चेहरों को मौका मिलेगा। लेकिन उम्मीदें टूटते ही असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि लंबे समय से संगठन के लिए काम कर रहे लोगों की अनदेखी की गई है।

नेतृत्व की अग्निपरीक्षा

शिवसेना–बीजेपी गठबंधन के इस फैसले से जहां कार्यकर्ताओं का गुस्सा भड़क रहा है, वहीं ठाणे की राजनीति की नजर इस बात पर टिकी है कि शीर्ष नेतृत्व इस असंतोष और संभावित बगावत पर किस तरह काबू पाता है।

गठबंधन को लेकर पहले से चेतावनी

खास बात यह है कि लोकल बीजेपी कार्यकर्ताओं ने गठबंधन को लेकर पहले ही अपनी नाराजगी जताई थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि अलायंस हुआ तो बगावत तय है। इसके बावजूद नेतृत्व ने स्थानीय भावनाओं को नजरअंदाज करते हुए गठबंधन बनाए रखने का फैसला किया। गठबंधन के फैसले के बाद कुछ नाराज कार्यकर्ताओं ने निर्दलीय नामांकन दाखिल कर दिए हैं। इससे कोपरी क्षेत्र में राजनीतिक समीकरण बदलने की संभावना बन गई है।

अवैध हुक्का पार्लर पर छापा

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

शहर पुलिस थाना क्षेत्र में कानून को ठेंगा दिखाकर चल रहे एक अवैध हुक्का पार्लर पर ठाणे अपराध शाखा ने बड़ी कार्रवाई की है। मध्यवर्ती अपराध शोध पथक ने 29 दिसंबर 2024 की रात करीब 11:25 बजे मलवारी हुक्का क्लब, पन्ना कंपाउंड (सीमेंट गोदाम के पास, शिव मंदिर के नजदीक) पर छापा मारकर छह लोगों को हिरासत में लिया।

छह लोगों को हिरासत में लिया गया

बिना अनुमति चल रहा था कारोबार

पुलिस को सूचना मिली थी कि उक्त स्थान पर बिना किसी वैध अनुमति के हुक्का पार्लर संचालित किया जा रहा है। छापेमारी के दौरान पार्लर मालिक सलीम अब्बास मलबारी समेत मैनेजर, वेटर और डीजे चालक को पकड़ा गया। मौके से हुक्का फ्लेवर, हुक्का पीने के उपकरण सहित करीब 8,900 रुपए का सामान जब्त किया गया। जांच में स्पष्ट हुआ कि आरोपियों के पास संचालन की कोई वैधानिक अनुमति नहीं थी।

कोप्टा के तहत मामला, अन्य ठिकानों पर भी नजर

पुलिस ने सभी छह आरोपियों के खिलाफ कोप्टा अधिनियम की धारा 4(अ) और 21(अ) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच पुलिस उप निरीक्षक विनोद शेंडकर कर रहे हैं। पुलिस ने चेताया है कि शहर में अभी भी कई स्थानों—पदमा नगर प्रभाग समिति तीन के सामने, फुले नगर, कानेरी स्थित पार्सिक बैंक के पीछे और लाहोटी कंपाउंड—में अवैध हुक्का पार्लर संचालित होने की शिकायतें हैं, जिन पर जल्द सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बीजेपी सेना युति से संतुष्टि नहीं, पर बड़े हित भी जरूरी: विधायक केलकर

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे मनपा के आम चुनाव में बीजेपी और शिवसेना के बीच महागठबंधन बन गया है और 40-87 सीटों का बंटवारा भी तय हो गया है। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी के विधायक और ठाणे शहर चुनाव प्रमुख संजय केलकर ने कहा कि उन्हें उम्मीद के मुताबिक सीटें नहीं मिलीं, जो

दुख की बात है। उन्होंने कहा कि बड़े हितों को ध्यान में रखते हुए गठबंधन को प्राथमिकता देना जरूरी है।

संजय केलकर ने जताई नाराजगी

संजय केलकर ने बताया कि उन्हें उन वार्डों में एक भी सीट नहीं मिली जहां जनता का पूरा समर्थन था। उन्होंने कहा कि सभी 131 वार्डों में उम्मीदवार उतारने की तैयारी थी, लेकिन उम्मीद के मुताबिक सीटें नहीं मिलीं। केलकर ने कहा कि कार्यकर्ताओं की नाराजगी को समझते हुए उन्हें मनाने की कोशिश की गई है और यह संतोषजनक नहीं है, लेकिन गठबंधन और बड़े हित को ध्यान में रखते हुए इसे स्वीकार करना होगा।

वोटर जागरूकता कैंपेन में सफाई कर्मचारियों की भागीदारी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

'मेरा मत – मेरा भविष्य' के नारे के साथ सफाई कर्मचारियों ने उथलसर वार्ड कमेटी के तहत वोटर जागरूकता कैंपेन सफलतापूर्वक चलाया। म्युनिसिपल कमिश्नर इलेक्शन ऑफिसर सौरभ राव, डिप्टी कमिश्नर उमेश बिरारी और स्वीप नोडल ऑफिसर मिताली संचेती के मार्गदर्शन में शहर में विभिन्न जगहों पर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। आगामी ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आम चुनाव 2025 को देखते हुए, चुनाव अधिकारी उर्मिला पाटिल की पहल

पर उथलसर वार्ड कमेटी (वार्ड नंबर 10, 11 और 12) में स्वीप टीम ने वोटर जागरूकता कैंपेन आयोजित किया। यह अभियान अंबे घोसले झील और केसर मिल सर्कल इलाकों में सफाई कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ संपन्न हुआ।

समुदाय को प्रेरित करने का संदेश

अभियान में सभी से अपील की गई कि वे अपने परिवार और इलाके के नागरिकों को वोट देने के लिए प्रेरित करें। इसके माध्यम से आने वाले चुनावों में अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने का संदेश दिया गया।

मतदान का महत्व और लोकतांत्रिक प्रक्रिया

इस मुहिम में सफाई कर्मचारियों को मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भूमिका और हर नागरिक के जिम्मेदार कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। लोगों को यह भी समझाया गया कि वोटिंग से एक मजबूत लोकतंत्र कैसे स्थापित होता है। अभियान के दौरान सामूहिक नारे लगाए गए और कर्मचारियों ने वोटिंग की शपथ भी ली।

राष्ट्रीय कर्तव्य के रूप में वोटिंग

सफाई कर्मचारियों को बताया गया कि मतदान हर नागरिक का राष्ट्रीय कर्तव्य है और यह एक महत्वपूर्ण अधिकार और जिम्मेदारी है। उपस्थित लोगों को वोटिंग के प्रति जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया गया।

चुनावों के दौरान हिंसा मामला

दिवंगत पूर्व विधायक माणिक जगताप के बेटे को गिरफ्तारी से मिला अंतरिम संरक्षण

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने रायगढ़ जिले में महाड नगर परिषद चुनावों के दौरान हुई हिंसा के मामले में कांग्रेस के दिवंगत पूर्व विधायक माणिकराव जगताप के बेटे और एनसीपी (अजित पवार गुट) के नेता श्रीयांश जगताप को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण दिया है। राज्य सरकार ने अदालत को आश्वासन दिया कि 5 जनवरी की अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। न्यायमूर्ति आर. आर. भोंसले की एकल पीठ के समक्ष

श्रीयांश जगताप की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में कहा गया कि 2 दिसंबर को महाड नगर परिषद के मतदान के दौरान शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी (अजित पवार गुट) के समर्थकों के बीच झड़प हुई थी, जिसमें दर्ज एफआईआर में उनका नाम भी शामिल किया गया।

दोनों पक्षों की क्रॉस एफआईआर

अभियोजन पक्ष के अनुसार, इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से क्रॉस एफआईआर दर्ज की गई हैं। एक एफआईआर में शिवसेना विधायक व कैबिनेट मंत्री भरत गोगावले के बेटे विकास गोगावले, उनके चचेरे भाई महेश गोगवाले और समर्थकों के नाम हैं, जबकि दूसरी एफआईआर में श्रीयांश जगताप और उनके समर्थकों को आरोपी बनाया गया है।

पहले खारिज हो चुकी हैं जमानत याचिकाएं

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह हाई कोर्ट ने विकास गोगवाले, महेश गोगवाले और अन्य रिश्तेदारों की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। अदालत ने कहा था कि आरोपी प्रभावशाली हैं और अपराध गंभीर है, जो चुनाव प्रक्रिया के दौरान हुआ। गवाहों को प्रभावित करने और जांच में हस्तक्षेप की आशंका के चलते हिरासत में पूछताछ को जरूरी बताया गया था।

महिला की हथौड़े से हत्या

आरोपी पति और ननद को किया गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | नालासोपारा

विरार पश्चिम के एम.बी. एस्टेट इलाके में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहाँ पारिवारिक कलह के चलते पति और ननद ने मिलकर एक महिला की हथौड़े से बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने इसे एक दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की और यह कहानी रची कि महिला बाथरूम में फिसलकर गिर गई थी। हालांकि, पुलिस की मुस्तैद जांच और सूझबूझ से यह सारा नाटक बेनकाब हो गया। पुलिस ने इस मामले में हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी पति और ननद को गिरफ्तार कर लिया है।

यह खौफनाक घटना शुक्रवार (26 दिसंबर) की आधी रात को संगम सोसाइटी में घटित हुई। मृत महिला की पहचान 36 वर्षीय कल्पना सोनी के रूप में हुई है, जिसकी शादी साल 2015 में 38 वर्षीय जयंतीलाल सोनी के साथ हुई थी। पुलिस जांच में यह बात निकलकर सामने आई है कि शादी के बाद से ही दहेज और अन्य पारिवारिक मुद्दों को लेकर घर में अक्सर विवाद होता रहता था। पुलिस के अनुसार, शनिवार (27 दिसंबर) की सुबह कल्पना का उसके पति जयंतीलाल और ननद दीपाली सोनी के साथ जोरदार झगड़ा हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर पति और ननद ने कल्पना पर हथौड़े और अन्य घातक हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में कल्पना के सिर, पीठ और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल पुलिस आरोपियों से आगे की पूछताछ कर रही है।

थर्टी फर्स्ट नाइट से पहले नकली शराब का बढ़ा खतरा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

नए साल के स्वागत के लिए शहर के बार, पब और पार्टी हॉल सज चुके हैं, लेकिन थर्टी फर्स्ट नाइट के जश्न के बीच नकली शराब का खतरा भी बढ़ गया है। इस मौके पर नकली शराब माफिया सक्रिय हो जाते हैं और असली शराब के नाम पर करोड़ों रुपए की अवैध कमाई करते हैं। सूत्रों के अनुसार, दो हफ्ते पहले गोवा में बनाई गई नकली शराब टेंपो के जरिए मुंबई लाई जा रही थी, जिसे पुलिस ने पकड़ा। हालांकि यह केवल एक घटना है, जबकि लगातार ट्रकों के जरिए मुंबई में नकली शराब की खेप पहुंच रही है। बोतलें देखने में विदेशी ब्रांड जैसी होती हैं, लेकिन अंदर की शराब बेहद खतरनाक होती है।

सेहत पर जानलेवा असर, सतर्कता जरूरी

विशेषज्ञों के अनुसार, नकली शराब सस्ते और हानिकारक रसायनों से बनाई जाती है, जिसमें मेथनॉल जैसे जहरीले तत्व होते हैं। यह जानलेवा साबित हो सकती है। नागरिकों को नए साल के जश्न में सतर्क रहने और केवल प्रमाणित स्रोतों से ही शराब लेने की सलाह दी गई है।

बार में परोसने का खतरनाक तरीका

बार कर्मचारियों के अनुसार, जश्न के दौरान शुरुआत में कुछ पैग असली शराब परोसी जाती है। जैसे ही लोगों पर नशा हावी होता है, नकली शराब परोसी जाने लगती है। इस जहरीली शराब के सेवन से गंभीर बीमारियां और मौत तक हो चुकी हैं। महाराष्ट्र राज्य उत्पादन शुल्क विभाग ने धारावी, मालाड, खार और चेंबूर में छापेमारी कर बड़े रैकेट का खुलासा किया। मालाड में 12 लाख रुपए से अधिक की नकली शराब, खार में 20 लाख रुपए से ज्यादा का माल और भिवंडी व मीरा रोड से कुल 61.46 लाख रुपए की नकली शराब, बोतलें और मशीनें जब्त की गईं।

'बीजेपी-शिवसेना ने हमें धोखा दिया'

बीएमसी चुनाव में सीट शेयरिंग से रामदास अठावले नाराज

38 सीटों पर उतारेंगे उम्मीदवार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत में महायुति के भीतर खींचतान खुलकर सामने आ गई है। केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के प्रमुख रामदास अठावले ने बीएमसी चुनाव के लिए सीट बंटवारे में अपनी पार्टी को बाहर रखे जाने को विश्वासघात करार दिया। उन्होंने साफ किया कि उनकी पार्टी 38 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि बाकी सीटों पर भाजपा और शिवसेना को समर्थन देती रहेगी। रामदास आठवले ने कहा कि महायुति के गठन के बाद से उनकी पार्टी पूरी निष्ठा और मजबूती के साथ गठबंधन के साथ खड़ी रही। लेकिन बीएमसी चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर जो फैसला हुआ, उससे आरपीआई (ए) के कार्यकर्ताओं में भारी नाराज़गी है। उन्होंने कहा कि देर रात केवल सात सीटों का प्रस्ताव देना व्यावहारिक नहीं था और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

सीट बंटवारे पर क्यों भड़की आरपीआई (ए)

आठवले के मुताबिक, मुंबई में आरपीआई (ए) की ताकत वंचित बहुजन अघाड़ी से ज्यादा है, इसके बावजूद उनकी पार्टी को नजरअंदाज किया गया। इससे पूरे महाराष्ट्र में पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ऐसे नेताओं में से नहीं है जो समय के हिसाब से बात बदलें।

कार्यकर्ताओं की गरिमा का सवाल

रामदास आठवले ने कहा कि पार्टी और कार्यकर्ताओं की गरिमा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने उम्मीदवारों की सूची जारी करते हुए कहा कि पार्टी की असली ताकत उसके कार्यकर्ता हैं। अगर कार्यकर्ताओं का सम्मान नहीं बचेगा, तो पार्टी का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा।

महायुति के साथ रहेंगे, लेकिन अकेले लड़ेंगे चुनाव

आठवले ने स्पष्ट किया कि आरपीआई (ए) महायुति के साथ बनी रहेगी। हालांकि, 38 से 39 सीटों पर 'फ्रेंडली फाइट' के तहत पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने कहा कि अंबेडकरवादी समाज की सत्ता में भागीदारी बेहद जरूरी है, ताकि आम लोगों के लिए काम लगातार चलता रहे।

शिवड़ी की चॉल में भीषण आग

4 एलपीजी सिलेंडर फटे, कोई हताहत नहीं

मुंबई। शिवड़ी इलाके में मंगलवार दोपहर एक चॉल में भीषण आग लग गई, जिससे कई तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडरों में विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। एक अधिकारी ने बताया कि यह आग रेती बंदर मार्ग स्थित गुरुकृपा चॉल में अपराह्न करीब 3:15 बजे लगी। आग लगने का प्राथमिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में आग एक कमरे तक सीमित थी, लेकिन एलपीजी सिलेंडरों के फटने के बाद यह आसपास के चार से पांच कमरों में फैल गई। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में कुल चार एलपीजी सिलेंडर फट गए। इसके बाद मुंबई दमकल सेवा ने आग को गंभीरता के दूसरे स्तर पर घोषित किया। उन्होंने बताया कि अपराह्न 3:31 बजे घटनास्थल पर दमकल की आठ गाड़ियां, 10 पानी के टैंकर और अन्य अग्निशमन वाहन तैनात किए गए। दमकल विभाग के अनुसार, आग बुझाने का कार्य जारी रहा और इसे शाम 4:35 बजे चारों ओर से काबू में कर लिया गया, जिससे इसके आगे फैलने की संभावना नहीं रही।

आम आदमी पार्टी ने मुंबई मेनिफेस्टो किया जारी

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

आगामी चुनावों को देखते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने मुंबई के लिए अपना चुनावी मेनिफेस्टो जारी किया है। पार्टी ने बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़कों जैसे आम नागरिकों से जुड़े बुनियादी मुद्दों को प्रमुख एजेंडा बताया है। मेनिफेस्टो में आप नेताओं ने कहा कि यदि पार्टी की सत्ता आती है तो मुंबई में बिजली का बिल जीरो कर दिया जाएगा और 24 घंटे स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जाएगा। पार्टी का दावा है कि इससे महंगाई से जूझ रही जनता को बड़ी राहत मिलेगी।

बीएमसी स्कूलों पर खास फोकस

आप ने बीएमसी स्कूलों की बदहाल स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए। पार्टी के अनुसार, बीएमसी स्कूलों में करीब 3 लाख बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन इनकी हालत लगातार खराब होती जा रही है। आम आदमी पार्टी ने वादा किया कि सत्ता में आने पर स्कूलों में वर्ल्ड क्लास एजुकेशन सिस्टम तैयार किया जाएगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार का दावा

मेनिफेस्टो में कहा गया कि पिछले 40 सालों में मुंबई में एक भी अच्छा सरकारी अस्पताल नहीं बना। 'आपला दवाखाना' योजना में दवाइयों और मूलभूत सुविधाओं की कमी है। पार्टी ने सत्ता में आने पर मोहल्ला क्लिनिक और सरकारी अस्पतालों को मजबूत करने का वादा किया है।

सड़कों और स्लम पुनर्विकास पर जोर

पार्टी ने मुंबई की जर्जर सड़कों को लेकर बीएमसी और राज्य सरकार पर निशाना साधा। आप का कहना है कि मुंबईवासियों को अच्छी और सुरक्षित सड़कें उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। स्लम पुनर्विकास पर पार्टी ने वादा किया कि 50–50 साल से झोपड़पट्टियों में रहने वाले लोगों को 500 स्क्वायर फीट के पक्के घर दिलाने के लिए संघर्ष करेगी।

75 सीटों पर उम्मीदवार और चुनावी फोकस

आम आदमी पार्टी ने घोषणा की कि इस चुनाव में वह 75 सीटों पर ईमानदार, शिक्षित और युवा उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी ने साफ किया कि उसका चुनावी फोकस सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे तीन प्रमुख मुद्दों पर रहेगा। नेताओं का कहना है कि पार्टी की राजनीति का केंद्र आम नागरिक है और मुंबई को बेहतर बनाने के लिए ईमानदार शासन ही एकमात्र रास्ता है।

शिवसैनिकों का विधायक प्रकाश सुर्वे के खिलाफ प्रदर्शन

प्रवीण दरेकर के भाई को टिकट मिलने से नाराज़गी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका चुनाव के बीच एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना में असंतोष उभरकर सामने आया है। दहिसर–मगाठाणे विधानसभा क्षेत्र में शिवसैनिकों ने विधायक प्रकाश सुर्वे के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए उन्हें काले झंडे दिखाए। यह विरोध वार्ड नंबर 3 भाजपा के खाते में दिए जाने को लेकर किया गया। शिवसैनिकों का आरोप है कि विधायक प्रकाश सुर्वे ने पहले प्रकाश पुजारी को वार्ड नंबर 3 से चुनाव की तैयारी करने का निर्देश दिया था। लेकिन नामांकन के अंतिम समय में यह वार्ड भाजपा को सौंप दिया गया और भाजपा ने विधान परिषद सदस्य प्रवीण दरेकर के भाई प्रकाश दरेकर को उम्मीदवार घोषित कर दिया।

नामांकन के अंतिम घंटे में प्रदर्शन

नामांकन की समय-सीमा खत्म होने से करीब एक घंटे पहले मगाठाणे इलाके में शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। शाखा प्रमुख प्रकाश पुजारी, उनकी बेटी और समर्थकों ने विधायक प्रकाश सुर्वे और भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ नारेबाजी की और काले झंडे दिखाए। प्रकाश पुजारी ने आरोप लगाया कि यह वार्ड भाजपा को इसलिए दिया गया ताकि विधायक सुर्वे के बेटे की उम्मीदवारी के लिए अन्य वार्डों में समझौता हो सके। वहीं इच्छुक उम्मीदवार वैष्णवी पुजारी ने दावा किया कि वरिष्ठ नेताओं ने स्थानीय कार्यकर्ताओं को विश्वास में लिए बिना बाहरी उम्मीदवार की घोषणा कर दी। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि तैयारी करवाकर अंतिम समय में टिकट किसी और को देना शिवसैनिकों के साथ धोखा है। इस घटनाक्रम से शिंदे गुट की शिवसेना और भाजपा के बीच समन्वय पर सवाल खड़े हो गए हैं और चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक तनाव और बढ़ गया है।

मुंबई पुलिस के सोशल मीडिया पर 10 साल पूरे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस ने 28 दिसंबर 2015 को 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) और इंस्टाग्राम पर अपनी डिजिटल उपस्थिति शुरू की थी, ताकि नागरिकों से संवाद और पहुंच बढ़ाई जा सके। बीते एक दशक में पुलिस ने बॉलीवुड फिल्मों के मशहूर संवादों और रचनात्मक कंटेंट के माध्यम से कई नवोन्मेषी सोशल मीडिया अभियान चलाए। 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर पुलिस ने एक वीडियो साझा कर अपनी प्रभावी डिजिटल उपस्थिति का परिचय दिया।

सोशल मीडिया पर भारी लोकप्रियता

पुलिस आयुक्त देवेन भारती ने बताया कि 10 साल में पुलिस ने आपात स्थितियों में अलर्ट साझा किए, हल्के पलों में मुस्कान बांटी और शहर के कठिन समय में मजबूती प्रदान की। मुंबई पुलिस के 'एक्स' हैंडल पर वर्तमान में 47 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, अजय देवगन, आयुष्मान खुराना, शाहिद कपूर, अभिषेक बच्चन, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव सहित कई अन्य हस्तियों ने भी सोशल मीडिया पर पुलिस की सेवाओं की सराहना की। इस उपलब्धि के साथ मुंबई पुलिस ने शहर में अपनी डिजिटल पहुंच और नागरिकों के साथ संवाद की नई मिसाल कायम की है।

24 घंटे ऑनलाइन और ऑफलाइन सेवा

पुलिस ने कहा, "हम 24 घंटे 'ऑनलाइन' और 'ऑफलाइन' आपके साथ रहते हैं। पिछले 10 वर्षों में हमने मुंबईवासियों के साथ एक मजबूत, पारदर्शी और भरोसेमंद रिश्ता बनाया है।" इस अवसर पर कई फिल्मी सितारों और खेल जगत की हस्तियों ने मुंबई पुलिस को टैग कर विशेष संदेश साझा किए और उनके योगदान की सराहना की।

बॉलीवुड और खेल जगत की सराहना

अमिताभ बच्चन ने ट्वीट किया कि मुंबई पुलिस ने सोशल मीडिया पर 10 गौरवशाली वर्ष पूरे किए। शाहरुख खान ने अपनी फिल्म 'डर' के संवाद का उल्लेख करते हुए पुलिस की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की। सचिन तेंदुलकर ने 10 वर्षों में ऑनलाइन सहायता और मार्गदर्शन के लिए मुंबई पुलिस को बधाई दी। सलमान खान ने भी साइबर सुरक्षा और डिजिटल अनुशासन के क्षेत्र में पुलिस की सराहना की।

40 करोड़ से ज्यादा की ड्रग्स समेत सोना व विदेशी मुद्रा जब्त

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट कमिश्नरेट और कस्टम जोन-III ने 23 से 29 दिसंबर 2025 के बीच तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये मूल्य के मादक पदार्थ और अन्य सामान जब्त किए। बैंकॉक से आए यात्रियों की प्रोफाइलिंग और खुफिया जानकारी के आधार पर 8 मामलों में कुल 39.986 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड (NDPS) बरामद किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत लगभग 40 करोड़ बताई जा रही है। इन मामलों में 9 यात्रियों को NDPS एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया।

एक मामले में 233 ग्राम 24 कैरेट सोना (कीमत लगभग 29.72 लाख) जब्त किया गया। दो यात्रियों से 58.54 लाख मूल्य की प्रतिबंधित दवाइयां बरामद की गईं। वहीं, चार अन्य मामलों में 6 यात्रियों से 1.65 करोड़ से अधिक की विदेशी मुद्रा जब्त की गई। कस्टम विभाग ने सभी मामलों में आगे की जांच शुरू कर दी है और तस्करी नेटवर्क की कड़ियों को खंगाला जा रहा है।

एनसीपी ने जारी की तीसरी और फाइनल लिस्ट

मुंबई में 94 उम्मीदवार मैदान में

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (BMC) के आगामी आम चुनावों को लेकर नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) ने अपनी चुनावी रणनीति को अंतिम रूप दे दिया है। सोमवार को पार्टी ने 30 उम्मीदवारों की तीसरी और अंतिम सूची जारी की। इसके साथ ही NCP ने मुंबई के सभी 94 वार्डों में अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं और अब पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतरने जा रही है।

जमीनी कार्य और सामाजिक संतुलन पर जोर

NCP के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुनील तटकरे ने अंतिम उम्मीदवार सूची जारी करते हुए कहा कि टिकट वितरण में जमीनी कार्य, स्थानीय जनसंपर्क और सामाजिक संतुलन को प्राथमिकता दी गई है। पार्टी का उद्देश्य मुंबई के हर वर्ग तक अपनी बात पहुंचाना और नगर निगम में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराना है।

तीसरी सूची में प्रमुख उम्मीदवारों को टिकट

तीसरी और अंतिम सूची में मुरारी बच्चनचंद्र झा (वार्ड 23), सुरेंद्र लांडगे (26), मयूरी महेश स्वामी (38), सुमन इंद्रजीत सिंह (39), भक्ति नाथन चेट्टी (47), राकेश कोहल्हो (59), आफरीन टोले (61), मलिकचंद यादव (63), ट्विंकल परमार (79), सुरेखा सरोदे (83), प्रवीणा सावंत (88), जाहिद खान (102), सौरभ साठे (141), संतोष गवली (162), शबाना खान (174), अभिजीत नागवेकर (193), पूजा पवार (194) और सौरभ पेडनेकर (207) समेत कुल 30 उम्मीदवार शामिल हैं।

महिला उम्मीदवारों पर विशेष फोकस, आक्रामक प्रचार की तैयारी

इस चुनाव में NCP ने महिला सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी है। घोषित 94 उम्मीदवारों में से 52 महिलाएं हैं, जिन्हें पार्टी "लड़की बहनें" के रूप में मैदान में उतार रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में जनसभाओं, रोड शो और घर-घर संपर्क अभियान के जरिए पूरे मुंबई में आक्रामक चुनाव प्रचार किया जाएगा।

मुंबई पुलिस ने बरामद किए करोड़ों के चोरी हुए मोबाइल और आभूषण

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस की जोन 3 टीम ने 1 करोड़ 89 लाख रुपए से अधिक कीमत के 850 से अधिक चोरी हुए मोबाइल फोन के साथ-साथ सोने और चांदी के आभूषण बरामद किए। सभी सामानों को उनके असली मालिकों को लौटाया गया। पुलिस कमिश्नर देवेन भारती, जॉइंट सीपी सत्य नारायण चौधरी, एडिशनल सीपी विक्रम देशमाने और डीसीपी कृष्ण कांत उपाध्याय के नेतृत्व में जोन 3 पुलिस ने तीन महीने तक दिन-रात मेहनत कर चोरी गए सामान को बरामद किया। लाभार्थियों ने कीमती वस्तुएं वापस पाकर खुशी जताई और मुंबई पुलिस का आभार व्यक्त किया, इसे नए साल का विशेष उपहार बताया।

पश्चिम रेलवे
रखरखाव कार्य

पश्चिम रेलवे के उप मुख्य विद्युत अभियंता (कार्य) द्वारा कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई–400 013 द्वारा आमंत्रित किया जाता है निविदा सूचना क्रमांकः EL/WA/PL/2025-26/30 दिनांकः 24.12.2025* कार्य का नामः लोअर परेल वर्कशॉप में रखरखाव सुविधाओं के लिए विद्युत आपूर्ति अवसंरचना का उन्नयन. कार्य की अनुमानित लागतः 3,80,25,344.85 बयाना राशि (EMD): 3,40,100/- निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समयः 20.01.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक. निविदा खोलने की तिथि व समय*: 20.01.2026 को *दोपहर 12:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in 0951

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

विदेशी महिला के निर्वासन के खिलाफ याचिका पर इमिग्रेशन अधिकारियों से मांगा जवाब

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक इथियोपियाई महिला के निर्वासन के खिलाफ दायर याचिका पर ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन और फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के अधिकारियों से जवाब मांगा है। महिला ने दावा किया है कि अंतरजातीय विवाह के कारण उसके देश में उत्पीड़न और जान का खतरा है। 2017 में वह वैध पासपोर्ट और वीजा पर भारत आई थी, लेकिन 2021 में वीजा अवधि समाप्त होने के बाद वह पति और आठ बच्चों के साथ भारत में रह रही थी। मामले की अगली सुनवाई 2 जनवरी 2026 को होगी।

हिरासत और कानूनी दलीलें

न्यायमूर्ति आर.आर. भोंसले की पीठ के समक्ष 38 वर्षीय नीमा फराह अवी की याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि निर्वासन की प्रक्रिया पूरी होने में अभी समय लग सकता है, क्योंकि दूतावास से यात्रा दस्तावेज प्राप्त किए जा रहे हैं। महिला को मुंबई के डोंगरी पुलिस स्टेशन में हिरासत में रखा गया है। याचिका में कहा गया है कि अधिकारियों ने वर्षों तक कोई कार्रवाई नहीं की और बाद में बिना किसी न्यायिक आदेश के हिरासत में लिया, जो अवैध है।

जान का खतरा और शरणार्थी दर्जा

याचिका में दावा किया गया है कि महिला को अपने आदिवासी समुदाय से बहिष्कृत कर "गद्दार" घोषित किया गया है और इथियोपिया भेजे जाने पर उसे ऑनर किलिंग का खतरा है। वहीं, उसके पति को सोमालिया में उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। परिवार को संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) से 2027 तक वैध शरणार्थी दर्जा मिला हुआ है।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस–जयपुर के बीच नॉन-स्टॉप सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष ट्रेन चलाएगी

ट्रेन नंबर	प्रारंभ स्टेशन और गंतव्य स्टेशन	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
09706	बांद्रा टर्मिनस – जयपुर	05.01.2026 से 23.02.2026 तक	14:40 बजे (सोमवार)	08:45 बजे (अगले दिन)
09705	जयपुर – बांद्रा टर्मिनस	04.01.2026 से 22.02.2026 तक	18:40 बजे (रविवार)	11:20 बजे (अगले दिन)

कोच संरचना: फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी) एवं स्लीपर श्रेणी के कोच।

विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं।

ट्रेन संख्या 09706 की बुकिंग 31.12.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों एवं आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

संपादकीय

कांग्रेस के संकट

निस्संदेह, देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस को फिलहाल बेहद मुश्किल दौर से गुजरना पड़ रहा है। चुनाव दर चुनाव उसका दायरा लगातार सिमटता ही जा रहा है। वहीं दूसरी ओर चुनावी मोर्चे पर भी कांग्रेस के लिए बीत रहा साल निराशाजनक ही रहा है। कांग्रेस पार्टी को दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त का सामना भी करना पड़ा है। हालांकि, पार्टी ने 'वोट चोरी' मुहिम को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने का पुरजोर प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद उसके परंपरागत वोट फिर लौटकर नहीं आए। बल्कि इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों को भी सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिल सका। पार्टी के लिए आने वाला साल एक नई चुनौती लेकर आ रहा है। आने वाले साल में असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस पर शीर्ष नेतृत्व का आत्मविश्वास से भरा रवैया दिखाना स्वाभाविक ही कहा जाएगा। इस आयोजन के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि 'कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो सदैव हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश व्यक्ति के हितों के लिए खड़ी रही है।' वहीं इस दौरान कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने घोषणा की कि 'कांग्रेस एक विचारधारा का नाम है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं।' लेकिन वास्तव में एक कड़वी सच्चाई यह है कि पार्टी के अस्तित्व पर संकट दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। पार्टी संगठन में असंतोष की आहटें साफ तौर पर सुनाई दे रही हैं। यह असंतोष किस हद जा पहुंचा है, हालिया घटनाक्रम इसकी पुष्टि करता है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की कुशल संगठनात्मक रणनीति की प्रशंसा और ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए राजनीतिक परिदृश्य में हलचल मचा दी थी। निश्चय ही आम कार्यकर्ता पर इसका सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा होगा। दरअसल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने जमीनी स्तर पर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। देखा जाए तो गाहे-बगाहे कांग्रेस संगठन से शीर्ष स्तर पर गहरे तक जुड़े रहे दिग्गज कांग्रेस नेताओं के पार्टी लाइन से हटकर दिए गये बयान पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा करते रहे हैं। जब कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह का भाजपा व आरएसएस की संगठनात्मक शक्ति को लेकर चौंकाने वाला बयान सार्वजनिक विमर्श में आया, तो उनके विचारों के प्रति शशि थरूर का संयमित समर्थन करता दृष्टिकोण भी सामने आया, जो यह भी दर्शाता है कि मौजूदा चुनौतियों के बीच कांग्रेस पार्टी संगठनात्मक शक्ति के पुनर्निर्माण के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं कर सकती। अक्सर कांग्रेस यह दावा भी करती रही है कि इतिहास, मूल्य और विचारधारा उसकी मूल पूंजी हैं। इस पूंजी को चुनावी लाभ में परिवर्तित किया जा सकता है या नहीं, यह बयानबाजी से कम और पार्टी में सुधार, संगठन के पुनर्गठन और जनता से प्रभावी ढंग से पुनः जुड़ने की क्षमता पर अधिक निर्भर करता है। ऐसे समय में, जब राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा का एकछत्र वर्चस्व बना हुआ है और यह कह सकते हैं कि सभी क्षेत्रों में इसका दबदबा कायम है, भाजपा ने तो यहां तक कह दिया है कि कांग्रेस 'चापलूसों की सेना' है। साथ ही उसे भारतीय लोकतंत्र की 'सबसे कमजोर कड़ी' तक करार दे दिया है। निस्संदेह, यह आलोचना, जो काफी हद तक सच के करीब है, कांग्रेस को आत्ममंथन करने और मौजूदा स्थिति में बदलाव लाने के लिए भी प्रेरित करेगी। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि अपने एक सौ चालीस साल के इतिहास में कांग्रेस एक चुनौतीपूर्ण मोड़ पर खड़ी हुई है। ऐसे में इस पार्टी का पुनरुत्थान भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए विपक्ष की संभावनाओं की कुंजी भी साबित हो सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि अतीत की विफलताओं से सबक लेकर कांग्रेस पार्टी नये साल में नये तेवरों के साथ जनता के दरबार में जाएगी।

नववर्ष जश्न में राजस्थान सबसे आगे

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार,
साहित्यकार-स्तम्भकार

नए साल के स्वागत के साथ ही राजस्थान इस बार देश के सबसे बड़े न्यू ईयर सेलिब्रेशन हॉट स्पॉट के रूप में उभरकर सामने आया है। गुलाबी ठंड, ऐतिहासिक विरासत, रेगिस्तान की रौनक और आस्था के रंगों से सजा यह राज्य सैलानियों और श्रद्धालुओं से खचाखच भरा नजर आ रहा है। जयपुर से लेकर जैसलमेर, उदयपुर से जोधपुर और सवाई माधोपुर से लेकर चित्तौड़गढ़ तक हर शहर में उत्सव, उमंग और उल्लास की एक अलग ही तस्वीर दिखाई दे रही है। 31 दिसंबर की रात और 1 जनवरी के स्वागत को लेकर पूरे राजस्थान में जो माहौल बना है, उसने यह साफ कर दिया है कि नए साल का जश्न मनाने के लिए राजस्थान इस बार सबसे पसंदीदा राज्य बन चुका है। राजधानी जयपुर में नए साल की रौनक कई गुना बढ़ गई है। आमेर फोर्ट, नाहरगढ़, जयगढ़ और सिटी पैलेस में पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। नाहरगढ़ से शहर का नाइट व्यू देखने वालों की संख्या इस कदर बढ़ गई है कि कई बार यातायात व्यवस्था चरमरा गई। आमेर फोर्ट में टिकट के लिए लंबी कतारें लगी हैं और यहां आने वाले सैलानी इतिहास के साथ नए साल का जश्न मनाने के मूड में नजर आ रहे हैं। जयपुर के होटल, रिसॉर्ट और हेरिटेज हवेलियां पूरी तरह फुल हो चुकी हैं। कई जगहों पर कमरों का किराया सामान्य दिनों की तुलना में तीन से चार गुना तक बढ़ गया है, लेकिन इसके बावजूद पर्यटकों की आमद में कोई कमी नहीं दिख रही। झीलों की नगरी उदयपुर, जिसे राजस्थान का कश्मीर कहा जाता है, नए साल के मौके पर मानो पूरी तरह सैलानियों के हवाले हो गया है। पिछोला झील, फतेहसागर, सज्जनगढ़ और सिटी पैलेस के आसपास भारी भीड़ देखी जा रही है। झीलों के किनारे बने होटल और लक्ज़री रिसॉर्ट पहले से ही बुक हैं। कई जगहों पर 31 दिसंबर की रात के लिए विशेष महफिलें सजाई गई हैं, जिनमें लाइव म्यूजिक, पारंपरिक लोकनृत्य और राजस्थानी व्यंजन सैलानियों को आकर्षित कर रहे हैं। उदयपुर में होटल किराए चार गुना तक बढ़ गए हैं, फिर भी लोगों का उत्साह कम नहीं है। विदेशी पर्यटक भी बड़ी संख्या में यहां पहुंचे हैं, जो नए साल का स्वागत शाही अंदाज में करना चाहते हैं। जैसलमेर इस बार पर्यटन के लिहाज से सबसे बड़ा बूम देखने को मिल रहा है। गोल्डन सिटी के नाम से मशहूर जैसलमेर में सोनार किले तक जाने वाला रास्ता कई बार जाम की स्थिति में रहा। सम के धोरों में डेजर्ट सफारी, ऊंट की सवारी और लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सैलानियों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। 31 दिसंबर की रात रेगिस्तान में सजी महफिलें, खुले आसमान के नीचे जश्न और लोक संगीत का संगम जैसलमेर को नए साल का सबसे अनोखा ठिकाना बना रहा है। यहां के होटल, कैंप और रिसॉर्ट पूरी तरह भरे हुए हैं और अंतिम समय में पहुंचने वाले पर्यटकों को जगह ढूंढने में खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। जोधपुर में भी नए साल की धूम कम नहीं है। मेहरानगढ़ किले की भव्यता और नीले शहर की खूबसूरती ने सैलानियों को आकर्षित किया है। आमेर महल के टिकटों की दरों में बढ़ोतरी के बावजूद पर्यटक बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं। जोधपुर के हेरिटेज होटल और पैलेस स्टे में नए साल के खास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जहां शाही अंदाज में 31 दिसंबर की रात मनाई जा रही है। शहर की गलियों में घूमते पर्यटक, कैफे और रूफटॉप रेस्टोरेंट्स में चलती महफिलें जोधपुर को भी उत्सव के रंग में रंग रही हैं। राजस्थान की खासियत यह है कि यहां पर्यटन और आस्था एक साथ दिखाई देती है। नए साल के मौके पर जहां एक ओर सैलानी ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों की ओर खिंचे चले आ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी हैं। नए साल की शुरुआत बाबा श्याम के दर्शन से करने की मान्यता के चलते यहां देशभर से श्रद्धालु पहुंचे हैं। इसी तरह चित्तौड़गढ़ की ओर भी श्रद्धालुओं और पर्यटकों का आवागमन तेजी से बढ़ गया है। चित्तौड़गढ़ किला, विजय स्तंभ और कीर्ति स्तंभ के आसपास नए साल की छुट्टियों का असर साफ दिखाई दे रहा है। सवाई माधोपुर का रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान भी नए साल के मौके पर पर्यटकों से भरा हुआ है। टाइगर सफारी के लिए एडवांस बुकिंग पूरी तरह फुल हो चुकी है। वन्यजीवन प्रेमी नए साल की शुरुआत प्रकृति और रोमांच के बीच करना चाहते हैं, और रणथंभौर इसके लिए सबसे पसंदीदा स्थान बन गया है। इसी तरह माउंट आबू, पुष्कर, बूंदी, अलवर के सरिस्का और बीकानेर जैसे शहरों में भी पर्यटकों की अच्छी-खासी मौजूदगी दर्ज की जा रही है। 31 दिसंबर की प्रासंगिकता इस बार राजस्थान में केवल पार्टी और जश्न तक सीमित नहीं है। यह तारीख पर्यटन उद्योग के लिए एक बड़ी आर्थिक संजीवनी बनकर आई है। होटल, टैक्सी, गाइड, हस्तशिल्प विक्रेता और स्थानीय कलाकारों के लिए यह समय रोजगार और आय का बड़ा अवसर लेकर आया है। पारंपरिक लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां, कालबेलिया नृत्य, मंगणियार गायन और कठपुतली शो पर्यटकों के बीच खासा लोकप्रिय हो रहे हैं। इससे राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान भी और मजबूत हो रही है। नए साल का जश्न मनाने आए लोग यह भी महसूस कर रहे हैं कि राजस्थान सिर्फ देखने की जगह नहीं, बल्कि अनुभव करने का राज्य है। यहां का खान-पान, लोक जीवन, स्थापत्य कला और मेहमाननवाजी हर सैलानी के दिल में एक खास जगह बना रही है। 31 दिसंबर की रात कहीं झील के किनारे रोशनी से जगमगाते उदयपुर में बीत रही है, तो कहीं जैसलमेर के रेगिस्तान में तारों भरे आसमान के नीचे। कहीं आमेर और नाहरगढ़ की पहाड़ियों से जयपुर की चमकती रौशनी नए साल का संदेश दे रही है, तो कहीं खाटूश्यामजी में गूंजती आस्था नए साल की शुरुआत को आध्यात्मिक रंग दे रही है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि इस बार नए साल के जश्न का सबसे बड़ा और सबसे रंगीन मंच राजस्थान बना है। ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था और आधुनिक उत्सव का ऐसा संगम शायद ही किसी और राज्य में देखने को मिले।

जीवन मंत्र

किसी को नाम क्या देना

हम किसी चीज को, गुलाब के फूल को कोई संज्ञा इसलिए देते हैं, ताकि दूसरों को बता सकें; या फिर उसे नाम देकर हम सोचते हैं कि हमने उसे समझ लिया है; हमने उसका वर्गीकरण कर लिया है और ऐसा करके हमने उस फूल की समस्त अंतर्वस्तु व सौंदर्य को जान लिया है।

हम किसी भी चीज को नाम क्यों देते हैं? किसी फूल, व्यक्ति, भावना आदि पर हम कोई लेबल क्यों लगा देते हैं? हम ऐसा अपनी भावनाओं को संप्रेषित करने, उस फूल का बखान करने आदि के लिए करते हैं या फिर उस भावना से अपना तादात्म्य बिठाने के लिए। हम किसी चीज को, गुलाब के फूल को कोई संज्ञा इसलिए देते हैं, ताकि दूसरों को बता सकें; या फिर उसे नाम देकर हम सोचते हैं कि हमने उसे समझ लिया है; हमने उसका वर्गीकरण कर लिया है और ऐसा करके हमने उस फूल की समस्त अंतर्वस्तु व सौंदर्य को जान लिया है। किसी वस्तु को एक संज्ञा देकर हम उसे एक कोटि में रख देते हैं और हम उसे और ध्यान से नहीं देखते। लेकिन यदि हम उसे कोई नाम नहीं देते, तो हमें उसे देखना पड़ता है; तात्पर्य यह कि तब हम किसी फूल या वस्तु को एक नएपन के साथ, परख की एक नवीन मौलिकता के साथ देखते हैं; हम उसे ऐसे देखते हैं, मानो पहले उसे कभी न देखा हो। नाम देना व्यक्तियों या वस्तुओं को निपटा देने का बड़ा आसान तरीका है- वे जर्मन हैं, जापानी हैं, अमेरिकी हैं, हिंदू हैं, ऐसा कहकर आप उन्हें एक लेबल बना सकते हैं और फिर उस लेबल को नष्ट कर सकते हैं। यदि व्यक्तियों को आप कोई लेबल न दें, तो आप उन्हें देखने पर मजबूर होंगे और तब किसी की हत्या करना कहीं अधिक कठिन हो जाएगा। आप किसी लेबल को नष्ट कर सकते हैं और खुद को बड़ा धर्मात्मा समझ सकते हैं। लेकिन यदि आप कोई लेबल, कोई कोटि न दें और उस वस्तु विशेष को सीधे-सीधे देखें, वह चाहे कोई मनुष्य हो, फूल हो, कोई प्रसंग हो या कोई भावना, तब आप उसके साथ अपने संबंध पर गौर किए बिना नहीं रह सकेंगे। अतः नाम या लेबल देना किसी चीज से पीछा छुड़ाने, उसके निषेध, उसकी निंदा-प्रशंसा की एक बड़ी सुविधाजनक विधि है। यह इसका एक पक्ष हुआ। कभी आपने सोचा है कि हमेशा नामकरण करने वाला, चुनने वाला, लेबल देने वाला वह केंद्र कौन सा है? हम सभी महसूस करते हैं कि ऐसा कोई केंद्र, कोई मर्म तो है, जहां से हम कर्म कर रहे हैं, मूल्यांकन कर रहे हैं, नामकरण कर रहे हैं।

शख्सियत

जॉन फ्रॉस्ट

साहस और बलिदान की उड़ान

जॉन एवरिट फ्रॉस्ट, जिन्हें साथी पायलट स्नेह से "जैक" कहा करते थे, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दक्षिण अफ्रीकी वायु सेना के सबसे साहसी और प्रतिभाशाली लड़ाकू पायलटों में गिने जाते हैं। 16 जुलाई 1918 को दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी केप प्रांत के क्वीन्सटाउन में जन्मे फ्रॉस्ट ने बेहद कम उम्र में ही सैन्य जीवन को अपना लिया।

मात्र 18 वर्ष की आयु में, 1936 में उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी वायु सेना जॉइन की और जल्द ही अपनी उड़ान क्षमता, अनुशासन और निडरता के कारण वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। कठोर प्रशिक्षण और शुरुआती सैन्य अनुभवों ने फ्रॉस्ट को एक कुशल फाइटर पायलट के रूप में तैयार किया। 1940 तक वे कप्तान के पद तक पहुंच चुके थे और नंबर 3 स्क्वाड्रन का हिस्सा बन गए थे। द्वितीय विश्व युद्ध के फैलते ही अफ्रीका का आकाश भी युद्ध का मैदान बन गया और फ्रॉस्ट को जल्द ही वास्तविक हवाई संघर्षों का सामना करना पड़ा। 1941 की शुरुआत में उन्हें पूर्वी अफ्रीकी अभियान में तैनात किया गया, जहां दक्षिण अफ्रीकी वायु सेना को इतालवी सेनाओं से मुकाबला करना था। हॉकर हरिकेन जैसे शक्तिशाली लड़ाकू विमानों को उड़ाते हुए फ्रॉस्ट ने असाधारण साहस का परिचय दिया। 22 फरवरी 1941 को उन्होंने एक ही दिन में चार इतालवी फिएट CR.42 विमानों को मार गिराया। यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता थी, बल्कि अभियान के लिए भी निर्णायक साबित हुई। इसी वीरता के लिए उन्हें विशिष्ट फ्लाइंग क्रॉस से सम्मानित किया गया। 15 मार्च 1941 को डिरेडावा हवाई अड्डे पर हमले के दौरान उनका विमान विमान-रोधी गोलीबारी से क्षतिग्रस्त होकर गिर गया। इस घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे, लेकिन उनके साथी लेफ्टिनेंट बॉब कशाँ ने अत्यंत साहस दिखाते हुए उन्हें बचा लिया। यह घटना फ्रॉस्ट के सैन्य जीवन के सबसे नाटकीय क्षणों में से एक मानी जाती है। नवंबर 1941 में पूर्वी अफ्रीका में इतालवी सेनाओं की पराजय के साथ यह अभियान समाप्त हुआ और स्क्वाड्रन स्वदेश लौट आई। इसके बाद फ्रॉस्ट को मेजर के पद पर पदोन्नत किया गया और उन्हें 5वीं स्क्वाड्रन का कमांडर नियुक्त किया गया। उन्होंने पी-40 किटीहॉक लड़ाकू विमान उड़ाते हुए उत्तरी अफ्रीकी अभियान में भाग लिया, जहां जर्मन लूफ़्टवाफ़े के अनुभवी पायलटों से सीधा मुकाबला था। इस क्षेत्र में बमवर्षक विमानों को एस्कॉर्ट देना सबसे खतरनाक कार्यों में से एक माना जाता था, लेकिन फ्रॉस्ट ने हर मिशन में नेतृत्व और साहस का परिचय दिया। 11 मई 1942 को उन्होंने अपने साथी लेफ्टिनेंट केन व्हाइट के साथ मिलकर एक जर्मन हेनकेल He 111 बमवर्षक को मार गिराया। 16 मई को एक जंकर्स Ju 88 को नष्ट करते समय वे घायल भी हुए, फिर भी उन्होंने उड़ान जारी रखी। मई के अंत तक फ्रॉस्ट 15 एक्सिस विमानों को मार गिरा चुके थे और दक्षिण अफ्रीकी वायु सेना के सबसे सफल फाइटर पायलट बन चुके थे।

जीवन ऊर्जा

हेनरी जॉन डॉयचेंडोर्फ जूनियर, जिन्हें पेशेवर रूप से जॉन डेनवर के नाम से जाना जाता है, एक अमेरिकी गायक और गीतकार थे। वह 1970 के दशक के सबसे लोकप्रिय ध्वनिक कलाकारों में से एक थे और उस दशक में सबसे ज्यादा बिकने वाले कलाकारों में से एक थे। ऑलम्यूजिक ने डेनवर को ₹अपने युग के सबसे प्रिय मनोरंजनकर्ताओं में से एक₹ कहा है। उनका जन्म 31 दिसंबर, 1943 को रोसवेल, न्यू मैक्सिको, यू.एस. में हुआ था और 12 अक्टूबर, 1997 को उनका निधन हो गया।

हेनरी जॉन डॉयचेंडोर्फ जूनियर : जन्म 31 दिसंबर, 1943

जन्म

हम हमेशा एक-दूसरे का हिस्सा रहे हैं और रहेंगे

मैं हमेशा यह सोचना पसंद करता हूं कि हम खुद को जीवन में उन परिस्थितियों में रखते हैं जो हमें वहां तक जाने में मदद करेंगी जहां हमारी आत्मा जा रही है।

आराम करें, अपनी सीटों पर आराम से बैठें और संगीत को आपको जहां भी ले जाना हो, लेने दें। शांति एक सचेत विकल्प है। एक स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए आप जो भी योगदान दे सकते हैं, उसे करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें - दुनिया को आपकी सख्त जरूरत है। उसे अपने अंदर खोजें और प्रतिबद्धता बनाएं—वही चीज दुनिया को बदल देगी। मृत्यु कोई अंत नहीं है, बल्कि उस पथ पर गति का प्रतीक है जिस पर हम सभी यात्रा कर रहे हैं। चूंकि हम जिससे प्यार करते हैं उसके भौतिक पहलू से संपर्क खोना दर्दनाक हो सकता है, आत्मा को कभी नहीं खोया जा सकता है। हम हमेशा एक-दूसरे का हिस्सा रहे हैं और रहेंगे। दुनिया को देने के लिए आपके पास सबसे अच्छी चीज़ आप स्वयं हैं। आपको

किसी और की नकल करने की जरूरत नहीं है। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप दूसरे सर्वश्रेष्ठ हैं। सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले स्वयं बनना है। धरती पर कभी भी ऐसा समय नहीं रहा जैसा हम आज देखते हैं। हमें अपने अंतर्संबंध का अनुभव करने के लिए और अधिक तरीकों की आवश्यकता है - यह गहरे प्रेम का अग्रदूत है। तो इस तेज होती रोशनी में, प्रत्येक नए दिन की सुबह के साथ, आइए हम प्यार की तलाश करें। आइए अब और संघर्ष न करें। आइए हम वह बनें जो हम सबसे अधिक बनना चाहते हैं। जैसे ही हम वह बनना शुरू करेंगे जो हम वास्तव में हैं, दुनिया एक बेहतर जगह बन जाएगी। मैं इतना चाहूंगा कि युवाओं को इस बात का एहसास हो कि वे

अपने विचार

कांग्रेस ने कई ऐसे फैसलों का विरोध किया जिनका जनता ने समर्थन किया, जैसे अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक, बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई, अनुच्छेद 370 हटाना और काशी में मंदिर निर्माण। जब आप हर उस चीज का विरोध करेंगे जिसे जनता समर्थन देती है, तो वोट कहां से आएंगे?

-अमित शाह
गृहमंत्री, भारत सरकार

हम (कांग्रेस) आंदोलन और विरोध की बातें तो करते हैं, लेकिन जमीन पर इन्हें लागू करने के लिए मजबूत संगठन नहीं है। सत्ताधारी बीजेपी के खिलाफ लड़ाई और उसे सत्ता से बेदखल करने के लिए मजबूत संगठन की बेहद जरूरत है।

-दिग्विजय सिंह
वरिष्ठ नेता, कांग्रेस

दोनों पार्टियों के बीच सीटों का बंटवारा लगभग तय हो चुका है। अगर आप मुंबई और ठाणे की बात कर रहे हैं तो कुछ सीट को लेकर बातचीत जारी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं।

-संजय शिरसाट
नेता, शिवसेना(शिंदे)

मुझे पवार साहब को तीन दशक से अधिक समय से जानने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैंने उनसे जो कुछ सीखा है, उसकी कोई तुलना नहीं है, लेकिन ज्ञान से परे उनकी बुद्धिमत्ता और गहरी सहानुभूति ही है, जिसने मुझ पर गहरा प्रभाव डाला है।

-गौतम अडानी
भारतीय उद्योगपति

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

हनुमान चालीसा में छिपे प्रबंध के सूत्र

कई लोगों की दिनचर्या हनुमान चालीसा पढ़ने से शुरू होती है। पर क्या आप जानते हैं कि श्री हनुमान चालीसा में 40 चौपाइयां हैं, ये उस क्रम में लिखी गई हैं जो एक आम आदमी की जिंदगी का क्रम होता है। माना जाता है तुलसीदास ने हनुमान चालीसा की रचना की है। हनुमान जी को गुरु बनाकर उन्होंने राम को पाने की शुरुआत की। अगर आप सिर्फ हनुमान चालीसा पढ़ रहे हैं तो यह आपको भीतरी शक्ति तो दे रही है, लेकिन अगर आप इसके अर्थ में छिपे जिंदगी के सूत्र समझ लें तो आपको जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिला सकते हैं। हनुमान चालीसा सनातन परंपरा में लिखी गई पहली चालीसा है, शेष सभी चालीसाएं इसके बाद ही लिखी गई। हनुमान चालीसा की शुरुआत से अंत तक सफलता के कई सूत्र हैं। आइए जानते हैं हनुमान चालीसा से आप अपने जीवन में क्या-क्या बदलाव ला सकते हैं।

शुरुआत गुरु से

हनुमान चालीसा की शुरुआत गुरु से हुई है।

श्रीगुरु चरन सरोज रज,
निज मनु मुकुरु सुधारि।

अर्थ - अपने गुरु के चरणों की धूल से अपने मन के दर्पण को साफ करता हूं। गुरु का महत्व चालीसा की पहले दोहे की पहली लाइन में लिखा गया है। जीवन में गुरु नहीं है तो आपको कोई आगे नहीं बढ़ा सकता। गुरु ही आपको सही रास्ता दिखा सकते हैं।

इसलिए तुलसीदास ने लिखा है कि गुरु के चरणों की धूल से मन के दर्पण को साफ करता हूं। आज के दौर में गुरु हमारा सलाहकार भी हो सकता है, अधिकारी भी। माता-पिता को पहला गुरु ही कहा गया है। समझने वाली बात ये है कि गुरु यानी अपने से बड़ों का सम्मान करना जरूरी है। अगर तरक्की की राह पर आगे बढ़ना है तो विनम्रता के साथ बड़ों का सम्मान करें।

वेशभूषा का रखें ख्याल

चालीसा की चौपाई है-

कंचन बरन बिराज सुबेसा,
कानन कुंडल कुंचित केसा।

अर्थ - आपके शरीर का रंग सोने की तरह चमकीला है, सुवेष यानी अच्छे वस्त्र पहने हैं, कानों में कुंडल हैं और बाल संवरे हुए हैं।

आज के दौर में आपकी तरक्की इस बात पर भी निर्भर करती है कि आप रहते और दिखते कैसे हैं। पहला प्रभाव अच्छा होना चाहिए। अगर आप बहुत गुणवान भी हैं, लेकिन अच्छे से नहीं रहते हैं तो ये बात आपके करियर को प्रभावित कर सकती है। इसलिए, रहन-सहन और वेशभूसा हमेशा अच्छा रखें।

हनुमान चालीसा में छिपे प्रबंध के सूत्र सिर्फ डिग्री काम नहीं आती।

बिद्यावान गुनी अति चातुर,
राम काज करिबे को आतुर।

अर्थ - आप विद्यावान हैं, गुणों की खान हैं, चतुर भी हैं। राम के काम करने के लिए सदैव आतुर रहते हैं। आज के दौर में एक अच्छी डिग्री होना बहुत जरूरी है। लेकिन चालीसा कहती है सिर्फ डिग्री होने से आप सफल नहीं होंगे। विद्या हासिल करने के साथ आपको अपने गुणों को भी बढ़ाना पड़ेगा, बुद्धि में चतुराई भी लानी होगी। हनुमान में तीनों गुण हैं, वे सूर्य के शिष्य हैं, गुणी भी हैं और चतुर भी।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

1 जनवरी से ट्रेन सेवाओं के समय में परिवर्तन

मुंबई। पश्चिम रेलवे 1 जनवरी, 2026 से दहानू रोड सेक्शन पर समयपालनता में सुधार के उद्देश्य से कुछ लोकल ट्रेनों के साथ-साथ चयनित मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के समय में बदलाव करने जा रही है। इस निर्णय का मकसद ट्रेनों की समयबद्धता बेहतर करना और यात्रियों को अधिक सुचारु सेवाएं उपलब्ध कराना है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, समय परिवर्तन से प्रभावित लोकल ट्रेन सेवाओं का विवरण परिशिष्ट-1 (अप दिशा) और परिशिष्ट-2 (डाउन दिशा) में दिया गया है। वहीं, जिन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को समयपूर्व (प्रीपोन) किया गया है, उनकी सूची अलग से परिशिष्ट-3 में उपलब्ध कराई गई है।

बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच नॉनस्टाप सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर नॉनस्टॉप सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। ट्रेन संख्या 09706 बांद्रा टर्मिनस–जयपुर स्पेशल प्रत्येक सोमवार को 14:40 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 08:45 बजे जयपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 05 जनवरी, 2026 से 23 फरवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09705 जयपुर–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक रविवार को 18:40 बजे जयपुर से प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 11:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 04 जनवरी, 2026 से 22 फरवरी, 2026 तक चलेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी–2 टियर, एसी–3 टियर, एसी–3 टियर (इकोनॉमी) एवं स्लीपर क्लास कोच होंगे।

स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए हर स्तर पर नियोजनबद्ध और ढंग से काम ज़रूरी: आयुक्त

ठाणे। स्वच्छ सर्वेक्षण केवल स्कोरिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शहर की गुणवत्ता जीवन से जुड़ा है। गीला और सूखा कचरा अलग करना, घर से कचरा इकट्ठा करना, पब्लिक सैनिटेशन सिस्टम और वेस्ट प्रोसेसिंग के हर स्टेज पर नियोजनबद्ध काम आवश्यक है। आयुक्त सौरभ राव ने मीटिंग में स्पष्ट किया कि नोडल अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को पहचानें और उन्हें फ़ील्ड लेवल पर प्रभावी ढंग से लागू करें। केंद्र सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के लिए वार्ड-वाइज़ टास्क फ़ोर्स बनाई गई है और इसमें इंटरनल नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इन अधिकारियों के लिए मनपा के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया। आयुक्त सौरभ राव की अध्यक्षता में इस प्रोग्राम में उपायुक्त जी. जी. गोदापुरे, उमेश बिरारी, मधुकर बोडके, दीपक जिंजड़, मिताली संचेती, अनघा कदम, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रानी शिंदे समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

महारेरा ने अब तक घर खरीदारों से मुआवजे के तौर पर 270 करोड़ रुपये वसूले

पिछले साल 2017 से नवंबर के आखिर तक 200 करोड़ रुपये वसूले जा चुके

इस साल मुआवजे के तौर पर 70 करोड़ रुपये और वसूलने में सफलता मिली

दीपक पवार । मुंबई

महाराष्ट्र रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (महारेरा) ने घर खरीदारों को बड़ी राहत देते हुए अब तक 268.87 करोड़ रुपये (लगभग 270 करोड़) की मुआवजा राशि वसूल की है। यह वसूली मई 2017 में महारेरा की स्थापना के बाद से संबंधित जिला कलेक्टरों की मदद से की गई है।

मुंबई, पुणे और ठाणे सबसे आगे

जिलेवार आंकड़ों के अनुसार, मुंबई शहर में 27 परियोजनाओं के 47 वारंट के तहत 104 करोड़ रुपये बकाया हैं, जबकि मुंबई उपनगर क्षेत्र में 66 परियोजनाओं के 134 वारंट के जरिए 352 करोड़ में से 112 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है। पुणे में 139 परियोजनाओं के 274 वारंट के तहत 195 करोड़ रुपये बकाया हैं, जिनमें से 44 परियोजनाओं के 71 वारंट से 47 करोड़ रुपये वसूले गए हैं। ठाणे में 89 परियोजनाओं के 237 वारंट के तहत 74.63 करोड़ रुपये बकाया हैं, जिसमें से 25 परियोजनाओं के 48 वारंट से 23 करोड़ रुपये की रिकवरी हुई है। अलीबाग/रायगढ़ में 47 परियोजनाओं के 119 वारंट के तहत 24 करोड़ रुपये बकाया हैं, जबकि 22 परियोजनाओं के 63 वारंट से 9 करोड़ रुपये वसूले गए हैं। पालघर में 33 परियोजनाओं के 86 वारंट के तहत 20.49 करोड़ रुपये बकाया हैं, जिनमें से 6 परियोजनाओं के 9 वारंट से 4.59 करोड़ रुपये की वसूली हुई है। नागपुर में 6 परियोजनाओं के 18 वारंट के मामलों में 10.63 करोड़ रुपये बकाया हैं, जबकि 9.65 करोड़ रुपये वसूले जा चुके हैं। संभाजीनगर में 2 परियोजनाओं के 13 वारंट में 4.04 करोड़ रुपये बकाया हैं और 3.84 करोड़ रुपये की रिकवरी हुई है। नासिक में 5 परियोजनाओं के 6 वारंट के तहत 3.85 करोड़ रुपये बकाया हैं, जबकि 4.90 करोड़ रुपये वसूले गए हैं। इसके अलावा सिंधुदुर्ग में 72 लाख, सोलापुर में 12 लाख और चंद्रपुर में 9 लाख रुपये की वसूली की गई है।

1291 खरीदारों के पक्ष में 792 करोड़ के आदेश

महारेरा ने अब तक 1291 शिकायतकर्ताओं के पक्ष में 792 करोड़ रुपये की मुआवजा वसूली के आदेश जारी किए हैं। इनमें से 103 करोड़ रुपये के मामले एनसीएलटी में लंबित हैं, जिस कारण इन मामलों में फिलहाल वसूली पर कानूनी रोक लगी हुई है।

कानूनी आधार

रियल एस्टेट (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) एक्ट, 2016 की धारा 40(1) के तहत बकाया मुआवजा राशि को महाराष्ट्र भूमि राजस्व संहिता के प्रावधानों के अनुसार वसूला जाता है। इसी आधार पर महारेरा वसूली वारंट कलेक्टरों को भेजता है।

2017 से 2024 तक 200 करोड़ रुपये की रिकवरी

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2017 से पिछले साल नवंबर के अंत तक करीब 200 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी थी। यह दर्शाता है कि शुरुआती वर्षों में वसूली की प्रक्रिया अपेक्षाकृत धीमी रही।

2025 में 70 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वसूली

महारेरा ने इस साल अकेले 70 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वसूली करने में सफलता हासिल की है। अधिकारियों के अनुसार, जिला प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय के कारण वसूली की रफ्तार में तेजी आई है।

महारेरा के आदेश, कलेक्टर की कार्रवाई

महारेरा एक अर्ध-न्यायिक संस्था है और उसके पास केवल वसूली आदेश जारी करने का अधिकार है। इन आदेशों को लागू करने की पूरी जिम्मेदारी जिला कलेक्टर कार्यालय की होती है, जो भूमि राजस्व की तरह राशि की वसूली करता है।

मध्य रेल के लिए ऐतिहासिक रहा वर्ष 2025

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

वर्ष 2025 मध्य रेल के लिए उपलब्धियों से भरा एक ऐतिहासिक वर्ष साबित हुआ। यात्री सुविधाओं के विस्तार, सुरक्षा सुदृढ़ीकरण, अवसंरचना विकास और हरित पहलों के जरिए मध्य रेल ने न केवल परिचालन क्षमता बढ़ाई, बल्कि यात्री अनुभव को भी नए स्तर पर पहुंचाया।

विद्युतीकरण के 100 वर्ष

मध्य रेल ने 2025 में विद्युतीकरण के 100 वर्ष पूरे होने का गौरवपूर्ण उत्सव मनाया। यह उपलब्धि 1925 में हार्बर लाइन पर सीएसएमटी से कुर्ला तक पहली विद्युत ट्रेन की ऐतिहासिक यात्रा की स्मृति का प्रतीक है, जो प्रगति और नवाचार की एक शताब्दी को दर्शाती है।

1500 मिलियन से अधिक यात्रियों का परिवहन

वर्ष 2025 में मध्य रेल ने 1,500 मिलियन से अधिक यात्रियों का परिवहन किया और यात्री, कोचिंग व अन्य मदों से 16,110 करोड़ से अधिक का राजस्व अर्जित किया।

नई रेल लाइनें, गति वृद्धि और 'कवच' प्रणाली

शिंदवणे–अंबाले घाट खंड की कमीशनिंग के साथ पुणे–मिरज डबलिंग परियोजना पूरी हुई, वहीं दौंड–सोलापुर–वाडी खंड में ट्रेनों की गति बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटा की गई। सुरक्षा के मोर्चे पर सभी मंडलों में 'कवच' लोको ट्रायल पूरा कर मध्य रेल ने नई मिसाल कायम की। हरित ऊर्जा अपनाने के लिए ओपन एक्सेस पावर प्रोक्योरमेंट को बढ़ावा दिया गया, जो भारतीय रेल के 2030 तक नेट-ज़ीरो लक्ष्य के अनुरूप है। भविष्य की योजनाओं में पनवेल–करजत उपनगरीय कॉरिडोर, दौंड–मनमाड डबलिंग और 15-कोच ट्रेनों की शुरुआत शामिल है, जो मध्य रेल को और सशक्त बनाएंगी।

यात्री सुविधाओं का विस्तार

यात्री सुविधा को प्राथमिकता देते हुए मध्य रेल ने 21 नए एस्केलेटर और 23 लिफ्टें शुरू कीं। सीएसएमटी पर मोबाइल यूटीएस सहायक सेवा शुरू कर ऑन-द-स्पॉट टिकटिंग को आसान बनाया गया, जिससे भीड़ कम हुई और यात्रा अधिक सुगम बनी। मध्य रेल ने पुणे–अजनी और नांदेड़–सीएसएमटी वंदे भारत एक्सप्रेस सहित कई नई ट्रेन सेवाएं शुरू कीं। नेरुल/बेलापुर–उरण मार्ग पर तरघर और गावण जैसे नए उपनगरीय स्टेशनों के शुभारंभ से नवी मुंबई क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूती मिली।

जारी रहेगी दिव्यांग बालक शिवांश की स्पीच थेरेपी

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

दिव्यांग कल्याण आयुक्तालय के महेश पाटिल ने एमबीएमसी को पत्र भेजकर स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 5 वर्षीय दिव्यांग बालक शिवांश गुप्ता को दी जा रही स्पीच थेरेपी को बंद नहीं किया जाएगा। साथ ही सामाजिक विकास अधिकारी की कार्यप्रणाली का निरीक्षण भी सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है।

एमबीएमसी का बयान

एमबीएमसी आयुक्त राधाबिनोद शर्मा ने बताया कि दिव्यांग कल्याण आयुक्तालय की तरफ से अभी तक पत्र का भौतिक प्रिंटआउट प्राप्त नहीं हुआ है। पत्र प्राप्त होने के बाद ही सभी निर्देशों का पालन किया जाएगा।

बालक की स्थिति और विवाद

गत 8 दिसंबर को भाईंदर में रहने वाले गुप्ता दंपति का 5 वर्षीय पुत्र शिवांश बॉर्डरलाइन इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी (बौद्धिक अक्षमता) से ग्रस्त पाया गया। चिकित्सकों के अनुसार, स्पीच थेरेपी से ही बालक का इलाज संभव है। आर्थिक रूप से कमजोर दंपति के पास दिव्यांग प्रमाण पत्र और आधार कार्ड न होने के कारण सामाजिक विकास अधिकारी दीपाली पोवार ने एमबीएमसी के थेरेपी केंद्र में उसे थेरेपी देने से रोक दिया था। इस निर्णय के खिलाफ शहर में विरोध और छिछालेदर फैल गई।

अंतरिम अनुमति और शिकायत

आयुक्त राधाबिनोद शर्मा के निर्देशानुसार बालक को सशर्त 15 दिनों के लिए थेरेपी देने की अनुमति दी गई। इसके बाद, दिव्यांग क्रांति संस्था ठाणे की जिलाध्यक्ष काजल नाईक ने दिव्यांग कल्याण आयुक्तालय में एमबीएमसी और सामाजिक विकास अधिकारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

कुमार शिवांश के उपचार हेतु निर्देश

भाईंदर स्थित सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों ने सीमावर्ती बौद्धिक अक्षमता के आधार पर शिवांश को स्पीच थेरेपी देने की अनुशंसा की थी। 30 दिसंबर को आयुक्तालय ने पत्र भेजकर निर्देश दिया कि केवल 15 दिनों की शर्त हटाई जाए और आधार कार्ड व यूडीआईडी कार्ड प्राप्त होने तक उपचार सुविधा जारी रहे।

महावितरण दैनंदिनी-2026 का उत्साहपूर्वक विमोचन

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (महावितरण) की वर्ष 2026 की दैनंदिनी का मंगलवार को मुंबई के फोर्ट स्थित एचएसबीसी कार्यालय में उत्साहपूर्ण वातावरण में विमोचन किया गया। दैनंदिनी का प्रकाशन अपर मुख्य सचिव (ऊर्जा) आभा शुक्ला तथा महावितरण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र के शुभहस्ते संपन्न हुआ।

इस अवसर पर संचालक (संचालन/परियोजना) सचिन तालेवार, संचालक (वित्त) अनुदीप दिघे, संचालक (वाणिज्य) योगेश गडकरी, संचालक (मानव संसाधन) राजेंद्र पवार, स्वतंत्र संचालक विश्वास पाठक तथा संचालिका ज्योति चिमटे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दैनंदिनी केवल तिथियों और वारों की जानकारी के लिए ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक कार्यों में सुव्यवस्था और समन्वय बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसमें महावितरण के राज्यभर के क्षेत्रीय कार्यालयों और अधिकारियों के संपर्क क्रमांक, साथ ही संस्था की प्रगति और उपलब्धियों से संबंधित जानकारी शामिल की गई है। इससे दैनिक कार्यप्रणाली में बेहतर तालमेल स्थापित करने में सहायता मिलेगी।

विमोचन के पश्चात लोकेश चंद्र ने सभी उपस्थितों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और विश्वास व्यक्त किया कि यह दैनंदिनी महावितरण के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने में उपयोगी सिद्ध होगी। दैनंदिनी को समय पर और आकर्षक रूप में प्रकाशित करने के लिए आभा शुक्ला और लोकेश चंद्र ने जनसंपर्क विभाग की सराहना की।

पुराने चेहरों को टिकट कार्यकर्ताओं में नाराजगी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

कोपरी में शिवसेना–भाजपा युति ने एक बार फिर पुराने नगरसेवकों को उम्मीदवारी देकर स्थानीय कार्यकर्ताओं को नाराज कर दिया है। कार्यकर्ताओं को उम्मीद थी कि शिवसेना–भाजपा के गढ़ माने जाने वाले इस इलाके में इस बार नए चेहरों को मौका मिलेगा, लेकिन नेतृत्व के फैसले से उनकी यह उम्मीद टूट गई। टिकट घोषणा के बाद से ही अंदरखाने असंतोष खुलकर सामने आने लगा है।

युति के खिलाफ पहले से थी चेतावनी

खास बात यह है कि स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने युति को लेकर पहले ही अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। कार्यकर्ताओं ने साफ संकेत दिए थे कि अगर युति बनी तो बगावत तय है। इसके बावजूद सीनियर लीडरशिप ने स्थानीय भावनाओं को नजरअंदाज करते हुए गठबंधन का फैसला लिया, जिससे जमीनी कार्यकर्ताओं का सब्र अब जवाब देता दिख रहा है।

बगावत के संकेत, मुकाबला हुआ त्रिकोणीय

युति के फैसले के बाद कुछ नाराज कार्यकर्ताओं ने निर्दलीय नामांकन दाखिल कर बगावत के संकेत दे दिए हैं। इससे कोपरी का राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदलने की संभावना बन गई है। जो मुकाबला अब तक एकतरफा माना जा रहा था, वह अब तीनतरफा और कड़ा होता दिख रहा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वफादार लोगों को नजरअंदाज कर पुराने चेहरों को तरजीह दी गई है, और अब यह नाराजगी सड़कों पर दिखाई दे रही है। ऐसे में ठाणे की राजनीति की नजर इस पर टिकी है कि सीनियर लीडरशिप इस बगावत को कैसे संभालती है।

चुनाव से पहले शिकायत निवारण सेल सक्रिय

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मनपा के आम चुनावों को निष्पक्ष, पारदर्शी और भयमुक्त तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासन ने एक विशेष शिकायत निवारण सेल सक्रिय किया है। चुनाव के दौरान मिलने वाली विभिन्न शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए नागरिक इस सेल से +91 91528 17252 पर संपर्क कर सकते हैं या tmcelectiongrievance@thane-city.gov.in पर ई-मेल भेज सकते हैं। आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने नागरिकों से अपील की है कि वे चुनाव से जुड़ी किसी भी अनियमितता की सूचना बिना हिचक दर्ज कराएं।

आचार संहिता उल्लंघन पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा

इस शिकायत निवारण सेल के माध्यम से चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन, गैरकानूनी प्रचार, दीवारों पर पोस्टर-बैनर लगाने, मतदाताओं पर दबाव, धन या सामग्री के दुरुपयोग, भ्रामक जानकारी फैलाने, मतदान प्रक्रिया से जुड़ी समस्याओं तथा अधिकारियों-कर्मचारियों से संबंधित शिकायतें दर्ज की जा सकेंगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी शिकायतों को रिकॉर्ड कर तुरंत जांच की जाएगी और संबंधित विभागों, क्षेत्रीय अधिकारियों, पुलिस प्रशासन व चुनाव अधिकारियों के समन्वय से समयबद्ध कार्रवाई की जाएगी। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और नागरिकों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए इस व्यवस्था का सक्रिय रूप से उपयोग करने की अपील की गई है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

वृष भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

मिथुन मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कर्क विवाद को बढ़ावा न दें। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

सिंह रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा।

तुला किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। जल्दबाजी से हानि होगी।

वृश्चिक चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा।

धनु तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है।

मकर कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कुंभ डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

मीन स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे।

घर से बीमारी दूर करने के पारंपरिक उपाय: लोक-मान्यताओं की प्रस्तुति

प्रियंका जैन
9769994439

भारत में स्वास्थ्य को केवल शारीरिक स्थिति नहीं माना गया, बल्कि इसे मन, वातावरण और आस्था से भी जोड़ा गया है। इसी कारण हमारी परंपराओं में अनेक ऐसे उपाय प्रचलित रहे हैं, जिन्हें लोग बीमारी, नकारात्मकता या मानसिक अशांति से बचाव के लिए अपनाते रहे हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी चले आ रहे ये उपाय लोक-विश्वासों पर आधारित हैं। बहुत से परिवार आज भी इन्हें श्रद्धा के साथ करते हैं और मानते हैं कि इनसे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

कई स्थानों पर यह परंपरा रही है कि महीने में एक बार मीठी रोटियां बनाकर कुत्तों को खिलाई जाएं। रोटियों की संख्या परिवार के सदस्यों और उस महीने घर आए मेहमानों को ध्यान में रखकर तय की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इससे घर में चल रही परेशानियों में कमी आती है और स्वास्थ्य संबंधी बाधाएं दूर होती हैं। इसी तरह साल में एक बार अच्छी तरह पका हुआ कद्दू या पेठा किसी धर्मस्थान में दान करने की परंपरा भी प्रचलित है, जिसे स्वास्थ्य और सौभाग्य से जोड़ा जाता है।

कुछ लोक-मान्यताओं में यह भी कहा गया है कि शमशान के पास से गुजरते समय वहां एक-दो रुपये का सिक्का छोड़ देने से नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं और दैवी सहायता प्राप्त होती है। वहीं, बीमार व्यक्ति के सिरहाने रात में एक सिक्का रखकर सुबह किसी जरूरतमंद को दान करने की परंपरा भी कई क्षेत्रों में देखने को मिलती है, जिसे लगातार कई दिनों तक किया जाता है।

गाय, कुत्तों और कौवों को रोटी खिलाने को भी शुभ माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इन जीवों को भोजन कराने से ग्रहों के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और घर-परिवार पर आने वाली बीमारियों से बचाव होता है। कुछ परिवारों में यह विश्वास भी है कि यदि कोई व्यक्ति लंबे समय से बीमार है और दवाओं से लाभ नहीं मिल रहा, तो विशेष दिनों में गेहूं के आटे से बने पेड़े और जल से जुड़े दान-कर्म करने से उसे मानसिक और शारीरिक शांति मिलने लगती है।

गंभीर बीमारी की स्थिति में भी कुछ विशेष उपाय लोक-परंपरा में बताए जाते हैं, जिन्हें खास दिन और नियमों के साथ करने की बात कही जाती है। इसी तरह पीपल के वृक्ष से जुड़े उपाय, जैसे सुबह जल अर्पित करना और शाम को दीपक जलाना, स्वास्थ्य लाभ और मानसिक सुकून से जोड़े जाते हैं। पीपल को हमारे शास्त्रों में अत्यंत पवित्र माना गया है, इसलिए उससे जुड़े कर्मों को सकारात्मक ऊर्जा से संबंधित माना जाता है।

कुछ मान्यताओं में गोमती चक्र का उपयोग भी बताया गया है। इसे रोगी के पलंग या बच्चे से संबंधित उपायों में प्रयोग करने की परंपरा है। विशेष तिथियों पर पूजा-पाठ, मंत्र जाप और प्रतीकात्मक उपायों को बच्चों के बार-बार बीमार पड़ने से बचाव के लिए किया जाता रहा है। इसी प्रकार ब्लड प्रेशर या मानसिक तनाव जैसी स्थितियों से राहत के लिए भी पेड़-पौधों से जुड़े कुछ पारंपरिक उपाय प्रचलित हैं।

यह ध्यान रखना बहुत आवश्यक है कि ये सभी उपाय लोक-आस्था और परंपराओं पर आधारित हैं। इनका आधार धार्मिक विश्वास, सांस्कृतिक अनुभव और मानसिक संतुलन से जुड़ा हुआ माना जाता है। इन्हें आधुनिक चिकित्सा का विकल्प नहीं समझना चाहिए। किसी भी बीमारी में डॉक्टर की सलाह, उचित जांच और इलाज सबसे महत्वपूर्ण होता है। आस्था और परंपरा मन को बल देती हैं, लेकिन स्वास्थ्य के मामलों में वैज्ञानिक और चिकित्सकीय मार्गदर्शन अनिवार्य है।

न्यूज़ ब्रीफ

मीरजापुर में गांजा तस्करी का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

मीरजापुर। जिगना थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 20 लाख रुपये मूल्य के गांजे के साथ चार अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बोलेरो और टैंपो को भी जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर जिगना-बारी कोट चौराहे के पास घेराबंदी कर वाहनों की तलाशी ली गई, जिसमें लगभग 50 किलो 780 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने छत्तीसगढ़ से गांजा लाकर मीरजापुर में खपाने की बात स्वीकार की। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है।

कफ सिरप तस्करी: फरार चार आरोपियों पर इनाम

सोनभद्र। कोडीन युक्त कफ सिरप तस्करी प्रकरण में लंबे समय से फरार चल रहे चार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने इन वांछित आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच एसआईटी द्वारा की जा रही है। लगातार दबिश के बावजूद फरार चल रहे अभियुक्तों में शुभम जायसवाल, विशाल उपाध्याय, निशांत उर्फ रवि गुप्ता और विजय गुप्ता शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि इनकी शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है और तलाश जारी है।

NCR की नई कार्य संचालन समय सारणी जारी, नववर्ष पर होगी लागू

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने प्रयागराज, झांसी और आगरा मंडलों के लिए अद्यतन कार्य संचालन समय सारणी का विमोचन किया। यह नई समय सारणी 1 जनवरी से प्रभावी होगी और इसका उद्देश्य ट्रेन परिचालन को अधिक सुरक्षित, सुचारु और समयबद्ध बनाना है। वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि यह परिचालन दस्तावेज केवल समय-सूची नहीं, बल्कि यात्री और मालगाड़ियों की संरक्षा के साथ उच्च समयपालन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता है। नई समय सारणी को हालिया परिचालन अनुभव और यात्री मांग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि कई ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान समय में 5 से 20 मिनट तक के बदलाव को देखते हुए यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की समय-सारणी NTES ऐप या 139 हेल्पलाइन पर अवश्य जांच लें। नई व्यवस्था के तहत तीनों मंडलों—प्रयागराज, झांसी और आगरा—में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इसमें 20 जोड़ी नई ट्रेनों को शामिल किया गया है, जिनमें वंदे भारत और अमृत भारत जैसी प्रीमियम सेवाएं भी हैं। 11 जोड़ी ट्रेनों के मार्गों का विस्तार किया गया है, जबकि अधिक मांग को देखते हुए एक जोड़ी ट्रेन की आवृत्ति बढ़ाई गई है। परिचालन सुविधा के लिए 30 ट्रेनों के नंबर बदले गए हैं और कई ट्रेनों के समय में संशोधन किया गया है।

भूमि विवाद में गोली मारकर किसान की हत्या

घात लगाकर बैठे थे हमलावर, बचाव में पहुंचे परिजनों पर भी चलाई गोली

डीबीडी संवाददाता | फिरोजाबाद

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जनपद में जमीनी विवाद ने एक बार फिर खूनी रूप ले लिया। थाना नसीरपुर क्षेत्र में सोमवार देर रात हुए विवाद में एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि उसे बचाने आए उसका बेटा, पत्नी और भाई भी फायरिंग व मारपीट में घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मढ़ैया नंदराम गांव निवासी सत्यभान (45) पुत्र मातादीन का गांव के ही सूरतराम से करीब पांच बीघा जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। सोमवार रात सत्यभान जब खेत से घर लौट रहा था, तभी आरोपितों ने उसे रास्ते में घेर लिया और गोली चला दी। गोली लगते ही सत्यभान जमीन पर गिर पड़ा।

अस्पताल में हुई किसान की मौत

अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने सत्यभान को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अपर पुलिस अधीक्षक देहात अनुज चौधरी ने बताया कि भूमि विवाद के चलते फायरिंग की घटना हुई है, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपितों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में सभी आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गोली लगने से तीन परिजन घायल

गोली चलने की आवाज सुनकर सत्यभान की पत्नी राधा, पुत्र और भाई उसे बचाने दौड़े, लेकिन आरोप है कि हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट की और फायरिंग कर दी। इस हमले में तीनों घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल शिकोहाबाद अस्पताल ले जाया गया।

चैंपियन बनकर लौटी प्रज्ञा भारती सम्मानित

भागलपुर। जिले के बिहपुर प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को चैंपियन बनकर लौटी भारतीय टीम की खिलाड़ी प्रज्ञा भारती को सम्मानित किया गया। राज्य प्रवक्ता सह नवगछिया बाल बैडमिंटन संघ के जिला सचिव ज्ञानदेव कुमार ने बताया कि नवगछिया के मक्खातकिया निवासी प्रज्ञा भारती पटना में 27 से 29 दिसंबर तक आयोजित हुए साउथ एशियन बाल बैडमिंटन चैंपियनशिप के भाग ले रही भारतीय टीम की सदस्य थी। इस चैंपियनशिप में भारतीय टीम चैंपियन बनी थी। इधर प्रखंड प्रमुख रीमा देवी के नेतृत्व में बीडीओ सत्यनारायण पंडित, उपप्रमुख एनामुल, मुखिया उमेश यादव, सलाहुद्दीन, गुलजार खां और पंसस अमन आंनद, दारोगा प्रसाद सिंह, दिनेश ऋषिदेव, ललन मंडल, जावेद खां, मंजु देवी ने प्रज्ञा को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। वहीं प्रमुख समेत उभी प्रतिनिधियों ने प्रज्ञा की उपलब्धि को सिर्फ बिहपुर या नवगछिया, भागलपुर के लिए नहीं बल्कि पूरे राज्य के लिए गौरव का पल बताया। इस मौके पर अभिलाषा कुमारी, मौसम कुमारी, बुलबुल कुमारी, शीतल कुमारी, मनीषा कुमारी आदि भी उपस्थिति थी।

अल्मोड़ा: खाई में गिरी बस, सात यात्रियों की मौत

दर्जनभर यात्री घायल, भिकियासैंण के पास हुआ दर्दनाक हादसा

द्वाराहाट से रामनगर जा रही थी प्राइवेट आपरेटर की बस

डीबीडी संवाददाता | अल्मोड़ा

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जनपद में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हो गई। भिकियासैंण क्षेत्र के सिलापानी के पास एक निजी बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे सात यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को भिकियासैंण के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से दो गंभीर घायलों को रामनगर रेफर किया गया है। एसएसपी देवेन्द्र पींचा के अनुसार, निजी बस द्वाराहाट से रामनगर की ओर जा रही थी। सिलापानी के पास अचानक बस का संतुलन बिगड़ गया और वह गहरी खाई में जा समाई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

सीएम ने जताया शोक, एअरलिफ्ट के निर्देश

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा आवश्यकता पड़ने पर गंभीर घायलों को एअरलिफ्ट कर ऋषिकेश एम्स भेजने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

मृतकों में चार पुरुष और तीन महिलाएं

इस दुर्घटना में चार पुरुष और तीन महिलाओं की जान चली गई। मृतकों में जमोली निवासी गोविन्द बल्लभ (80) और उनकी पत्नी पार्वती देवी (75), सूबेदार नन्दन सिंह अधिकारी (65), बाली निवासी तारा देवी (50), गणेश (25), उमेश (25) तथा घुघुती द्वाराहाट निवासी गोविन्दी देवी (58) शामिल हैं।

कब्रिस्तान की जमीन पर मिले 20 मकान और दुकान

कड़ी सुरक्षा के बीच 22 लेखपालों की टीम ने शाही जामा मस्जिद के समीप की नापजोख

कब्जे की शिकायत पर प्रशासन ने बनाई थी तहसीलदार की अगुवाई में निरोधक टीम

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जनपद में शाही जामा मस्जिद के समीप स्थित कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जे के आरोपों की पुष्टि के लिए जिला प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा के बीच पैमाइश कराई। जांच में सामने आया कि कब्रिस्तान की जमीन पर 22 लोगों द्वारा मकान और दुकानें निर्मित की गई हैं, जो पूरी तरह से अवैध पाई गईं। पैमाइश की कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता और कानून के दायरे में पूरी की गई है, ताकि किसी भी समुदाय की भावनाएं आहत न हों। जिला प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जांच और कार्रवाई के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

तहसीलदार के नेतृत्व में पहुंची राजस्व टीम

अवैध कब्जे की शिकायत मिलने के बाद तहसीलदार धीरेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में नायब तहसीलदार, कानूनगो और 22 लेखपालों की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने सदर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कब्रिस्तान स्थल पर पहुंचकर सीमांकन व पैमाइश की। इस दौरान 22 निर्माण ऐसे पाए गए, जो अभिलेखों के अनुसार कब्रिस्तान की भूमि पर ही बने हुए हैं। जिलाधिकारी संभल डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच में 22 लोगों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने की स्थिति सामने आई है। सभी संबंधित व्यक्तियों को संवैधानिक प्रक्रिया के तहत नोटिस जारी कर उनके दस्तावेज तलब किए जाएंगे। अभिलेखों की जांच और पक्ष सुनने के बाद ही आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जौनपुर में घना हुआ कोहरा, दृश्यता 10 मीटर

जौनपुर। जौनपुर जनपद में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। सोमवार को दृश्यता घटकर मात्र 10 मीटर रह गई, जिससे सड़क और रेल यातायात पर असर पड़ा। हालात को देखते हुए जिलाधिकारी ने कक्षा एक से लेकर इंटरमीडिएट तक के सभी विद्यालयों को 30 दिसंबर तक बंद रखने के निर्देश जारी किए हैं। बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया गया है। घने कोहरे के चलते रात के समय बसों और ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ, वहीं सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। किसानों को फसलों की सिंचाई और पशुओं की देखभाल में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने और ठंड से बचाव के उपाय अपनाने की अपील की है। मंगलवार को पूरे दिन सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए और ठंडी हवाओं के कारण लोगों को भीषण सर्दी का सामना करना पड़ा। जिले का अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगभग 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं और घने कोहरे के कारण सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा लेते दिखे, जबकि पशु-पक्षी भी ठिठुरते नजर आए।

शादी के आठ माह बाद जेवर-नगदी समेट भागी लुटेरी दुल्हन

दलालों के जरिये हुआ था विवाह, पीड़ित पति ने एसपी से लगाई गुहार

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद में दलालों के माध्यम से कराई गई शादी एक युवक के लिए भारी पड़ गई। शादी के करीब आठ माह बाद पत्नी लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर लेकर फरार हो गई। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित पति ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर दुल्हन और उसके साथियों की तलाश की मांग की है।

एमपी की युवती से जल्दबाजी में करवाई थी शादी

चरखारी कोतवाली क्षेत्र के गांव अरथौन निवासी रघुराज (35) ने बताया कि अप्रैल माह में दलालों के माध्यम से उसका विवाह मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले की रहने वाली निशा से कराया गया था। आरोप है कि गांव के चरण सिंह और कनेरा निवासी शेखर ने शादी कराने के नाम पर 50 हजार रुपये लिए और उसे मध्य प्रदेश ले जाकर खेतों में पंडाल लगाकर आनन-फानन में विवाह संपन्न कराया गया।पीड़ित के अनुसार, शादी के कुछ समय बाद ही बिचौलियों का उसके घर आना-जाना बढ़ गया। इसका विरोध करने पर उसे धमकियां दी गईं। इसके बाद पत्नी मायके जाने की जिद करने लगी। रघुराज जब पत्नी को कुछ समय के लिए मायके छोड़ आया और बाद में उसे लेने नरसिंहपुर पहुंचा, तो वहां घर पर ताला लगा मिला और सभी लोग गायब थे। पीड़ित ने बताया कि जब वह अपने घर लौटा तो पता चला कि पत्नी घर में रखे सोने-चांदी के लाखों रुपये के जेवर भी साथ ले गई है। खुद को ठगी का शिकार मानते हुए रघुराज ने पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह को शिकायती पत्र सौंपकर लुटेरी दुल्हन और उसके गिरोह के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

व्यापार जगत

उतार-चढ़ाव भरे कारोबारी दिन में 22 हजार करोड़ का घाटा

शुरुआती कमजोरी के बावजूद दिनभर जारी रही खरीदारी

नई दिल्ली। दिनभर तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान के बाद घरेलू शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में कमजोरी दिखी, हालांकि बीच-बीच में खरीदारी से बाजार संभलता रहा, लेकिन अंततः सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स 20.46 अंक फिसलकर 84,675.08 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 3.25 अंक की कमजोरी के साथ 25,938.85 के स्तर पर आ गया। रियल्टी, डिफेंस और आईटी समेत कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर में बिकवाली का दबाव रहा। इसके विपरीत बैंकिंग, ऑटो और मेटल शेयरों में खरीदारी देखने को मिली। बाजार में आई इस हल्की गिरावट का असर निवेशकों की संपत्ति पर भी पड़ा। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण घटकर 471.93 लाख करोड़ रुपये रह गया, जिससे निवेशकों को करीब 22 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

श्रीराम फाइनेंस, हिंडाल्को, बजाज आटो फायदे में

ब्रॉडर मार्केट भी दबाव में रहा। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.05 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। कारोबार के दौरान बीएसई में अधिकतर शेयर लाल निशान में रहे, वहीं सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में गिरने वाले शेयरों की संख्या बढ़ने वाले शेयरों से अधिक रही। दिग्गज शेयरों में श्रीराम फाइनेंस, हिंडाल्को, बजाज ऑटो, टाटा स्टील और महिंद्रा एंड महिंद्रा लाभ में रहे, जबकि मैक्स हेल्थकेयर, एटरनल, इंफोसिस, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और अपोलो हॉस्पिटल्स में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

बिहारी लाल इंजीनियरिंग और शिवालय कंस्ट्रक्शन को IPO की हरी झंडी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बिहारी लाल इंजीनियरिंग लिमिटेड और शिवालय कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी प्रदान कर दी है। दोनों कंपनियों ने अगस्त-सितंबर के दौरान अपने ड्राफ्ट दस्तावेज सेबी के समक्ष दाखिल किए थे।

बिहारी लाल इंजीनियरिंग का 110 करोड़ का फ्रेश इश्यू

पंजाब स्थित बिहारी लाल इंजीनियरिंग को अपने आईपीओ के लिए अंतिम स्वीकृति मिली है। कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ में 110 करोड़ रुपये का नया निर्गम और 78.54 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस के तहत प्रमोटर राजेश गर्ग और लवलेश गर्ग, प्रमोटर समूह के सदस्य योगिता गर्ग, दिनेश कुमार गर्ग (एचयूएफ) तथा निवेशक शेयरधारक एसजी टेक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे।

शिवालय कंस्ट्रक्शन का 450 करोड़ रुपये का निर्गम

नई दिल्ली की शिवालय कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को भी सेबी से आईपीओ के लिए अंतिम मंजूरी मिल गई है। कंपनी के आईपीओ में 450 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 2.48 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। ओएफएस के तहत प्रमोटर श्रीपाल अग्रवाल, प्रदीप नंदल, सुमित्रा नंदल, एस.पी. अग्रवाल एंड संस (एचयूएफ) और प्रदीप नंदल अपनी हिस्सेदारी बाजार में उतारेंगे। शिवालय कंस्ट्रक्शन ने बताया कि फ्रेश इश्यू से प्राप्त लगभग 340 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी अपने कुछ कर्जों के पूर्ण या आंशिक भुगतान के साथ-साथ सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। सेबी की मंजूरी के बाद दोनों कंपनियां अब बाजार में उतरने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगी।

बीओआईओए मुंबई एवं गोवा इकाई द्वारा खेल महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन

मुंबई। बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन (बीओआईएओए) मुंबई एवं गोवा इकाई द्वारा स्पोर्ट्स इवेंट 2025 का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें इनडोर खेलों के साथ-साथ क्रिकेट टूर्नामेंट शामिल रहा। इस कड़ी में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 27 दिसंबर 2025 को मुंबई के प्रतिष्ठित मुंबई पुलिस जिमखाना, मरीन ड्राइव में किया गया। यह खेल आयोजन बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों के बीच आपसी सौहार्द, टीम भावना और सहयोग को मजबूत करने की दिशा में इकाई की एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एमडी एवं सीईओ) रजनीश कर्नाटक के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक सुब्रत कुमार एवं प्रमोद द्विवेदी, मुख्य महाप्रबंधक राजेश इंगले एवं सुनील शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रजनीश कर्नाटक ने आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के खेल आयोजन कर्मचारियों में सकारात्मक ऊर्जा, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और आपसी सहयोग को बढ़ावा देते हैं

दीपा ज्वैलर्स ने सेबी के पास दाखिल की डीआरएचपी

IPO के जरिए बाजार से धन जुटाने की कोशिश

नई दिल्ली। हैदराबाद स्थित दीपा ज्वैलर्स लिमिटेड ने पूंजी बाजार से धन जुटाने की तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी ने अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। इस आईपीओ में 2 रुपये अंकित मूल्य वाले शेयरों के जरिए 250 करोड़ रुपये तक का फ्रेश इश्यू शामिल होगा, वहीं प्रमोटर्स आशीष अग्रवाल और सीमा अग्रवाल की ओर से 1.18 करोड़ से अधिक शेयरों का ऑफर फॉर सेल भी रखा गया है।

215 करोड़ रुपये का टारगेट

कंपनी के अनुसार, फ्रेश इश्यू से प्राप्त 215 करोड़ रुपये का उपयोग दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने, खरीद और इन्वेंट्री बढ़ाने के साथ-साथ सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा। यह निर्गम सेबी के आईसीडीआर नियमों के तहत बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से लाया जाएगा, जिसमें 50 प्रतिशत तक हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों, 15 प्रतिशत से कम गैर-संस्थागत निवेशकों और कम से कम 35 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रहेगा। आईपीओ के प्रबंधन की जिम्मेदारी एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज और वाल्मीकि लीला कैपिटल को सौंपी गई है, जबकि इश्यू का रजिस्ट्रार बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड होगा। कंपनी के शेयरों को बीएसई और एनएसई दोनों पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। वर्ष 2016 में स्थापित दीपा ज्वैलर्स लिमिटेड हॉलमार्क वाले 22 कैरेट सोने के गहनों की बी2बी डिजाइनिंग, प्रोसेसिंग और सप्लाई से जुड़ी एक संगठित कंपनी है, जिसकी मौजूदगी मुख्य रूप से तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में है।

पाकिस्तान में नजरबंद रहीं, कभी गोलीबारी में बचीं

बांग्लादेशी सियासत के एक युग का अंत

- बांग्लादेश की पहली महिला पीएम खालिदा जिया का निधन
- खालिदा जिया 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं

ढाका। 30 दिसंबर 2025 की सुबह बांग्लादेश के लिए एक युग का अंत लेकर आई। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री और तीन बार सत्ता संभालने वाली बेगम खालिदा जिया का 80 वर्ष की आयु में ढाका के एवरकेयर अस्पताल में निधन हो गया। लंबी बीमारी से जूझते हुए उन्होंने सुबह करीब 6 बजे अंतिम सांस ली। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और लाखों समर्थकों की 'देशमाता' के रूप में जानी जाने वाली खालिदा जिया का जाना न केवल एक राजनीतिक नेता का अवसान है, बल्कि बांग्लादेश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समापन भी है।

राजनीतिक जीवन काफी उठापटक

वे 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक दो बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं। वे पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की पत्नी थीं। खालिदा जिया का राजनीतिक जीवन काफी उठापटक भरा रहा। 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना ने उन्हें नजरबंद कर दिया था। वे जुलाई से दिसंबर तक पाकिस्तानी सेना की कैद में रहीं थीं। 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान की हार के बाद खालिदा जिया को रिहा किया गया। बाद के सालों में भी उनकी राजनीति टकराव, आंदोलनों और हमलों से घिरी रही। साल 2015 में ढाका में मेयर चुनाव के प्रचार के दौरान उनके काफिले पर गोलीबारी और पत्थरबाजी भी हुई थी, जिसमें वे बाल-बाल बचीं थीं।

खालिदा का रुख भारत विरोधी था

भारत को लेकर खालिदा जिया का रुख ज्यादातर समय टकराव वाला रहा था। वह बार-बार कहती थीं कि बांग्लादेश की संप्रभुता और सुरक्षा सबसे ऊपर है।प्रधानमंत्री रहते हुए खालिदा जिया ने भारत को बांग्लादेश की जमीन से होकर रास्ता देने का विरोध किया। भारत अपने पूर्वोत्तर राज्यों तक पहुंचने के लिए यह रास्ता चाहता था। खालिदा जिया का कहना था कि इससे बांग्लादेश की सुरक्षा को खतरा होगा। उन्होंने 1972 की 'भारत-बांग्लादेश मैत्री संधि' को आगे बढ़ाने का भी विरोध किया। उनका कहना था कि यह संधि बांग्लादेश को कमजोर बनाती है।

पीएम मोदी ने जताया शोक

पीएम मोदी ने लिखा, 'ढाका में पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। उनके परिवार और बांग्लादेश के समस्त जनमानस के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएं। ईश्वर उनके परिवार को इस दुखद घड़ी को सहने की शक्ति प्रदान करें।'

दोपहिया में नई ब्रेक प्रणाली लगाने पर पेच फंसा

- एक जनवरी से लागू होना है नियम, कंपनियों ने और समय मांगा

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में 1 जनवरी 2026 से सभी नए दोपहिया वाहनों में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) अनिवार्य करने के फैसले पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। समयसीमा नजदीक होने के बावजूद दोपहिया वाहन निर्माता कंपनियों ने सरकार से इस नियम पर पुनर्विचार की मांग की है। उद्योग जगत का कहना है कि मौजूदा हालात में इसे तुरंत लागू करना मुश्किल है, ऐसे में एक जनवरी की डेडलाइन आगे बढ़ाए जाने की संभावना जताई जा रही है।

कंपनियों की आपूर्ति और लागत संबंधी चिंता

मामले से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, प्रमुख वाहन कंपनियों का तर्क है कि एबीएस से जुड़े पुर्जों की आपूर्ति फिलहाल पर्याप्त नहीं है। यदि सभी दोपहिया वाहनों में एक साथ एबीएस अनिवार्य किया गया तो उत्पादन प्रभावित होगा और वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी तय है, जिसका सीधा असर आम ग्राहकों पर पड़ेगा। कंपनियों ने सुझाव दिया है कि इस नियम को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए, ताकि उद्योग को तकनीकी और आपूर्ति स्तर पर तैयारी का समय मिल सके।

सरकार की योजना और आगे का रास्ता

सरकार की मंशा सड़क हादसों में कमी लाने के लिए सभी दोपहिया वाहनों में एबीएस लागू करने की है। फिलहाल यह सुविधा 125 सीसी से अधिक क्षमता वाली बाइकों तक सीमित है, जबकि कम क्षमता वाली बाइकों और स्कूटरों में केवल कंबाइंड ब्रेकिंग सिस्टम (सीबीएस) मौजूद है, जो बाजार के लगभग 84% हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। हालांकि अब तक एबीएस और मानकीकृत हेलमेट को लेकर कोई विस्तृत अधिसूचना जारी नहीं हुई है, जिससे संकेत मिलते हैं कि केंद्र सरकार नई समयसीमा तय करने सहित सभी विकल्पों पर विचार कर रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

यमन में हूती-विरोधी बलों ने घोषित किया आपातकाल

दुबई। सऊदी अरब द्वारा यमन में किए गए हवाई हमलों के बाद हूती-विरोधी बलों ने आपातकाल की घोषणा कर दी है। यह कार्रवाई संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से अलगाववादी गुटों के लिए भेजी गई हथियारों की खेप को निशाना बनाकर की गई थी। हूती-विरोधी बलों ने अपने नियंत्रण वाले इलाकों में सभी सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने का फैसला लिया है। इसके साथ ही हवाई अड्डों और बंदरगाहों में प्रवेश पर भी रोक लगा दी गई है। हालांकि, सऊदी अरब की अनुमति प्राप्त लोगों को इससे छूट दी गई है। सऊदी अरब ने मंगलवार को बताया कि उसने यमन के बंदरगाह शहर मुकाला में बमबारी कर 'सर्दन ट्रांजिशनल काउंसिल' (एसटीसी) के लिए यूएई से आई हथियारों की खेप को नष्ट किया।

इंडिगो संकट पर जांच पैनल ने दाखिल की रिपोर्ट

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को बताया कि मंत्रालय के इंडिगो संकट के रिपोर्ट का विश्लेषण कर रही है। जांच पैनल ने इस महीने शुरुआत में इंडिगो द्वारा फ्लाइट में हुई रुकावट और देरी की जांच रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपी है। नागरिक उड्डयन मंत्री एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा रिपोर्ट मंत्रालय को सौंप दी गई है। अभी रिपोर्ट का वश्लेषण किया जा रहा है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) से इस मुद्दे पर बात की जा रही है। इसके बाद हम उस पर कार्रवाई करेंगे। डीजीसीए के संयुक्त महानिदेशक संजय के ब्रह्मणे की अध्यक्षता में 5 दिसंबर को जांच समिति का गठन किया गया था। इस समिति का काम इंडिगो संकट की समीक्षा और मूल्यांकन करना था।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला

पूर्व आईएएस अधिकारी समेत 31 आबकारी अफसरों की संपत्ति कुर्क

एजेंसी । रायपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व IAS अधिकारी और तत्कालीन आबकारी आयुक्त निरंजन दास सहित 30 आबकारी अधिकारियों की 38.21 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। ईडी के अनुसार, कुर्क की गई संपत्तियों में 78 अचल संपत्तियां शामिल हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 21.64 करोड़ रुपये है, जिनमें लग्जरी बंगले, प्रीमियम अपार्टमेंट, व्यावसायिक दुकानें और बड़ी मात्रा में कृषि भूमि शामिल है, जबकि 197 चल संपत्तियां करीब 16.56 करोड़ रुपये की हैं।

'पार्ट-बी' योजना से समानांतर सिस्टम

ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि वरिष्ठ अधिकारियों और राजनीतिक संरक्षण के चलते आबकारी विभाग के भीतर एक समानांतर व्यवस्था संचालित हो रही थी। आरोप है कि 'पार्ट-बी' नाम की अवैध योजना के तहत बिना रिकॉर्ड देसी शराब का निर्माण और बिक्री कराई गई, जिसे सरकारी दुकानों के माध्यम से बेचा गया। इस दौरान नकली होलोग्राम और बिना हिसाब की बोतलों का इस्तेमाल कर बड़े पैमाने पर अवैध कमाई की गई, जिसे बाद में विभिन्न निवेशों और संपत्तियों में खपाया गया।

चार साल में 2883 करोड़ रुपये की काली कमाई

छत्तीसगढ़ में हुए शराब घोटाले में सियासतदानों और नौकरशाहों का गिरोह शामिल था। अवैध कमीशन के चक्कर में इस गिरोह बेहिसाब शराब की बिक्री कराई। चार साल में 2883 करोड़ रुपये की काली कमाई की गई। ईडी ने शराब घोटाले का पर्दाफाश कर नौकरशाहों, राजनीतिक अधिकारियों और निजी गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), रायपुर द्वारा 26 दिसंबर को इस मामले में एक और पूरक अभियोग शिकायत दर्ज की गई है। इसमें छत्तीसगढ़ राज्य के आबकारी विभाग में 2019 से 2023 के बीच हुए एक बड़े भ्रष्टाचार का ब्यौरा दिया गया है। इस घोटाले के परिणामस्वरूप लगभग 2883 करोड़ रुपये की अपराध की आय (पीओसी) अर्जित की गई है। जांच में एक सुसंगठित आपराधिक गिरोह का खुलासा हुआ है, जिसने अवैध कमीशन और बेहिसाब शराब की बिक्री सहित एक बहुस्तरीय तंत्र के माध्यम से व्यक्तिगत लाभ के लिए राज्य की शराब नीति का दुरुपयोग किया।

पूर्वोत्तर में अस्थिरता फैलाने की साजिश नाकाम

बारपेटा। बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठनों से संबंध रखने के आरोप में असम और त्रिपुरा से 11 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस के अनुसार, ये आरोपी पूर्वोत्तर भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रच रहे थे। विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने केंद्रीय एजेंसियों से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त पार्थसारथी महंत ने बताया कि सोमवार रात असम के बारपेटा, चिरांग और दरांग जिलों के साथ-साथ त्रिपुरा में एक साथ अभियान चलाया गया। इस दौरान 11 जिहादी तत्वों को गिरफ्तार किया गया, जो बांग्लादेशी कट्टरपंथी समूहों के निर्देश पर काम कर रहे थे। इनमें से 10 आरोपी असम से और एक त्रिपुरा से पकड़ा गया।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार सभी लोग इमाम महमूद काफिला (आईएमके) से जुड़े हैं, जो प्रतिबंधित संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) का एक मॉड्यूल है। इनका उद्देश्य असम और पूर्वोत्तर के अन्य हिस्सों में अशांति फैलाना और कथित तौर पर मुस्लिम वर्चस्व स्थापित करना था। असम से पकड़े गए आरोपियों में नसीम उद्दीन उर्फ नजीमुद्दीन उर्फ तमीम सहित 10 लोग शामिल हैं, जबकि जागीर मियां को त्रिपुरा से गिरफ्तार किया गया।

34 साल बाद न्याय

न्याय में देर भी, अंधेर भी

- होटल कर्मचारी को बकाया वेतन के भुगतान का आदेश
- फैसला सुनने के लिए जीवित नहीं व्यक्ति

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक होटल कर्मचारी को नौकरी से निकाले जाने के तीन दशक से अधिक समय बाद 50 फीसदी बकाया वेतन देने का आदेश दिया। दुर्भाग्यवश होटल कर्मचारी यह फैसला देखने तक जीवित नहीं रहा। कर्मचारी को कथित अनुचित आचरण के लिए नौकरी से निकाल दिया गया था। कर्मचारी के वकीलों के जरिये दायर याचिका पर न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने सुनवाई की। इस याचिका में राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें कर्मचारी को दिए गए 50 फीसदी बकाया वेतन को रद्द कर दिया था। खंडपीठ के आदेश को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, एक व्यक्ति के लिए सजा अपने आप में कलंक लेकर आती है, जो फिर से रोजगार पाने में बाधा डालती है। ऐसी परिस्थितियों में अगर हाईकोर्ट के एकल न्यायाधीश ने बकाया वेतन को 50 फीसदी तक घटाया, तो उसके आदेश में दखल करने की जरूरत नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट ने एक होटल कर्मचारी को नौकरी से निकाले जाने के तीन दशक से अधिक समय बाद 50 फीसदी बकाया वेतन देने का आदेश दिया। दुर्भाग्यवश होटल कर्मचारी यह फैसला देखने तक जीवित नहीं रहा। कर्मचारी को कथित अनुचित आचरण के लिए नौकरी से निकाल दिया गया था।

मामला क्या था?

यह मामला 1978 से जुड़ा है, जब दिनेश चंद्र शर्मा ने एक होटल में रूम अटेंडेंट के रूप में काम शुरू किया था और जुलाई 1991 में अनुचित आचरण के आरोप में उन्हें बर्खास्त कर दिया गया, जिसके बाद विवाद लेबर कोर्ट पहुंचा; कोर्ट ने होटल प्रबंधन की जांच को गलत पाया और आरोप साबित करने में नाकामी के चलते दिसंबर 2015 में शर्मा को पूरा बकाया वेतन देकर पुनर्नियुक्त करने का आदेश दिया, हालांकि राजस्थान हाईकोर्ट की एकल पीठ ने बकाया वेतन 50 फीसदी करने का निर्देश दिया जिसे खंडपीठ ने यह कहते हुए रद्द कर दिया कि कर्मचारी ने यह साबित नहीं किया कि वह इस दौरान लाभकारी रोजगार में नहीं था, लेकिन शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि लाभकारी रोजगार न होने को साबित करना कोई अटूट नियम नहीं है और प्रत्येक मामला अपने तथ्यों पर निर्भर करता है, साथ ही यह भी माना कि कर्मचारी के हलफनामे का कोई प्रतिवाद नहीं हुआ, लंबी सेवा और उम्र के कारण स्थायी रोजगार मिलना कठिन था तथा जीविका के लिए किया गया अस्थायी या छोटा काम बकाया वेतन रोकने का आधार नहीं बन सकता।

एसआईआर सुनवाई से पहले बुजुर्ग ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

- मतदाता सूची से नाम गायब होने से था परेशान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया से एक दुखद घटना सामने आई है। यहां मंगलवार को पुलिस ने जानकारी दी कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की सुनवाई के लिए पेश होने से कुछ ही घंटे पहले, एक बुजुर्ग व्यक्ति ने कथित तौर पर चलती ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान दे दी। मृतक की पहचान दुर्जन मांझी (82 वर्षीय) के रूप में हुई है। उनके बेटे कनाई ने बताया कि उनके पिता को (एसआईआर के तहत) सुनवाई के लिए नोटिस मिला था, जिसके बाद से वह काफी परेशान थे। उनकी परेशानी की मुख्य वजह यह थी कि उनका नाम मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं था।

मृतक के बेटे ने क्या कहा?

दिहाड़ी मजदूर कनाई ने कहा, मेरे पिता ने जनगणना का प्रपत्र जमा किया था, लेकिन उनका नाम मसौदा मतदाता सूची में नहीं आया। जबकि 2002 की मतदाता सूची में उनका नाम था। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उनके पिता को सुनवाई के लिए क्यों बुलाया गया। कनाई ने दावा किया, 25 दिसंबर को सुनवाई के लिए नोटिस मिलने के बाद से वह मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे।

स्पोर्ट्स

सतारा को लड़कों का खिताब

मुंबई। वडाला स्थित मुंबई फिजिकल एजुकेशन बोर्ड के मैदान पर संपन्न हुई लड़कों और लड़कियों की राज्य स्तरीय 39वें सब-जूनियर खो-खो प्रतियोगिता के लड़कों के वर्ग में सतारा की टीम ने बाजी मारी, वहीं पर दूसरी ओर लड़कियों के वर्ग में धाराशिव की लड़कियों ने लगातार 5वीं बार राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया। महाराष्ट्र राज्य खो-खो एसोसिएसन और मुंबई खो-खो एसोसिएशन के तत्वावाधान में श्री स्वामी समर्थ व्यायाम मंदिर, दादर द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के लड़कों के फाइनल में सतारा की टीम को पुणे की टीम को हराने में काफी मेहनत करनी पड़ी, मध्यांतर तक दोनों टीमें 12-12 के स्कोर पर बराबरी पर थी, लेकिन अंत में सतारा की टीम किसी तरह 25-23 के स्कोर से जीत हासिल करने में सफल रही। दूसरी ओर लड़कियों के फाइनल में सतारा की लड़कियों ने सोलापुर की टीम को एकतरफा मुकाबले में 24-18 के अंतर से पराजित किया।

तनाव

यूएई से आए हथियारों को निशाना बनाकर सऊदी अरब ने यमन में की बमबारी

अरब सागर में यूएई और सऊदी आमने-सामने

- यमन में हूती-विरोधी बलों ने आपातकाल घोषित किया

मुकाला। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। दोनों देश एक बार फिर आमने-सामने आ गए हैं। इसके पीछे की तत्कालिक वजह हवाई हमला बताया जा रहा है, लेकिन गहरी वजहें भी हैं, जिन्हें जानना जरूरी है। पहले समझते हैं कि दोनों देश अरब सागर में क्यों आमने-सामने आए और मुख्य वजह क्या है। दरअसल, सऊदी अरब के नेतृत्व वाली कोलिशन ने यमन के बंदरगाह शहर मुकल्ला पर हवाई हमला किया, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात (UAE) से आई हथियारों की खेप को निशाना बनाया गया। यह खेप अलगाववादी संगठन सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (STC) के लिए थी। इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि यह हमला सऊदी अरब और UAE समर्थित STC के बीच बढ़ते तनाव का संकेत है, जिससे रियाद और अबू धाबी के रिश्तों में भी दरार पड़ रही है।

सेना ने बयान में क्या कहा?

सऊदी प्रेस एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कोलिशन का बयान है कि UAE के फुजैरा बंदरगाह से दो जहाज मुकल्ला पहुंचे थे। इन जहाजों ने ट्रैकिंग सिस्टम बंद कर दिए और बड़ी मात्रा में हथियार तथा बख्तरबंद वाहन उतारे, जो STC को समर्थन देने के लिए थे। इन हथियारों को सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा मानते हुए कोलिशन एयर फोर्सेस ने सुबह एक सीमित सैन्य अभियान चलाया और मुकल्ला बंदरगाह पर उतारे गए हथियारों व वाहनों को निशाना बनाया। बयान में कहा गया कि यह कार्रवाई कोई हताहत या सहायक नुकसान के बिना की गई।

STC का दक्षिणी यमन में तेज विस्तार

दिसंबर 2025 की शुरुआत में (खासकर दिसंबर के पहले सप्ताह में) STC ने हदरमौत और अल-महरा प्रांतों पर तेजी से कब्जा कर लिया। ये क्षेत्र तेल संसाधनों से समृद्ध हैं और सऊदी अरब तथा ओमान की सीमाओं से लगे हैं। STC ने इन क्षेत्रों में सरकारी बलों को पीछे धकेल दिया, जिससे दक्षिणी यमन के बड़े हिस्से पर उनका नियंत्रण हो गया। उनका लक्ष्य पूर्व दक्षिण यमन (1967-1990 तक स्वतंत्र) की बहाली है। UAE ने STC को हथियार, बख्तरबंद वाहन और अन्य सहायता प्रदान की।

आपातकाल की घोषणा

दूसरी ओर, सऊदी हवाई हमलों के बाद यमन की हूती-विरोधी ताकतों ने मंगलवार को आपातकाल घोषित कर दिया। इन ताकतों ने अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में सभी सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने, हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर प्रवेश रोकने की घोषणा की। केवल सऊदी अनुमति वाले लोगों को छूट है। यमन के प्रेसिडेंशियल लीडरशिप काउंसिल (PLC) के प्रमुख रशाद अल-अलीमी ने UAE के साथ रक्षा समझौता रद्द कर दिया, UAE बलों को 24 घंटे में यमन छोड़ने का आदेश दिया और 72 घंटे का ब्लॉकेड घोषित किया। बाद में सऊदी अरब ने UAE को चेतावनी दी कि यमन में अलगाववादियों को दिया जा रहा समर्थन 'बेहद खतरनाक' है।

कोने-कोने से...

टिकट नहीं मिला तो पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़

नागपुर। मनपा चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों को टिकट नहीं मिलने से सभी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं में भारी असंतोष देखने को मिल रहा है। भाजपा द्वारा महायुति में सम्मानजनक सीटें नहीं दिए जाने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट) ने भी स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया और 94 उम्मीदवारों को एबी फॉर्म वितरित किए। हालांकि, जिन कार्यकर्ताओं को टिकट नहीं मिला, उनमें तीव्र नाराजगी दिखाई दे रही है। इसी आक्रोश के चलते एक कार्यकर्ता ने गणेशपेठ स्थित पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ कर दी। इतना ही नहीं, उसने पार्टी पदाधिकारियों पर टिकट बेचने के गंभीर आरोप भी लगाए, जिससे राजनीतिक हलकों में खलबली मच गई। दरअसल, भाजपा से गठबंधन टूटने के बाद कई कार्यकर्ताओं को उम्मीद थी कि उन्हें पार्टी की ओर से उम्मीदवार बनाया जाएगा, लेकिन कुछ की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

विधायक सीमा हिरे और इच्छुक उम्मीदवारों के बीच जोरदार हंगामा

नाशिक। नाशिक महानगरपालिका की चुनाव प्रक्रिया में व्याप्त अव्यवस्था बुधवार को सीधे निर्वाचन निर्णय अधिकारी के समक्ष उजागर हो गई। सिडको स्थित विभागीय कार्यालय में विधायक सीमा हिरे और इच्छुक उम्मीदवारों के बीच जोरदार मौखिक झड़प हुई। प्रभाग क्रमांक 26 में एक ही सीट के लिए दो उम्मीदवारों को भारतीय जनता पार्टी की ओर से आधिकारिक उम्मीदवारी का एबी फॉर्म दिए जाने से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है, जिससे भाजपा के भीतर का आंतरिक संघर्ष खुलकर सामने आ गया। प्रभाग क्रमांक 26 की उम्मीदवार और पूर्व नगरसेवक अलका अहिरे के पति कैलास अहिरे ने विधायक सीमा हिरे पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर अध्यक्ष सुनील केदार द्वारा आधिकारिक एबी फॉर्म दिए जाने के बावजूद विधायक सीमा हिरे ने अन्य इच्छुक उम्मीदवारों को भी एबी फॉर्म वितरित किए।

पुणे में शिवसेना नेता का दावा : भाजपा के साथ गठबंधन बरकरार

पुणे। शिवसेना के कैबिनेट मंत्री उदय सामंत ने मंगलवार को दावा किया कि महाराष्ट्र में होने वाले सभी 29 नगर निगमों के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ उनकी पार्टी का गठबंधन बरकरार रहेगा। उन्होंने यह बयान पुणे नगर निगम चुनाव को लेकर दोनों दलों के बीच बनी अनिश्चितता के बीच दिया। राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में शामिल भाजपा और शिवसेना के बीच पुणे नगर निगम (पीएमसी) चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर टकराव जारी है। पीएमसी में कुल 165 सीटें हैं। सूत्रों के अनुसार, महायुति का नेतृत्व कर रही भाजपा ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 15 से 16 सीटें देने की पेशकश की है।

जेन जी

घोषणाओं की भरमार से जनता अब ऊब चुकी है। अब ज़रूरत उन वादों की नहीं, बल्कि ऐसे ठोस कामों की है जो ज़मीन पर नज़र आएं। जो रोज़मर्रा की समस्याओं का ईमानदारी से समाधान करेगा, वही भरोसे और मेरे वोट का हकदार होगा।

–आयुष यादव, मुंबई सेंट्रल

हम टैक्स तो नियमित देते हैं, लेकिन काम समय पर नहीं होता। इस चुनाव में मेरा समर्थन उसी प्रतिनिधि को होगा जो जवाबदेह हो, जनता से सीधे संवाद रखे और समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से करे।

–आशा पुजारी, ठाणे

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

बोरिवली विधानसभा क्षेत्र

बीजेपी का 'अभेद्य किला' और ठाकरे बंधुओं की चुनौती

धीरज सिंह । मुंबई

मुंबई की राजनीति में बोरिवली विधानसभा क्षेत्र को भारतीय जनता पार्टी (BJP) का सबसे सुरक्षित और अभेद्य किला माना जाता है। आगामी बीएमसी चुनाव (जनवरी 2026) के मद्देनजर यहां का सियासी पारा चढ़ चुका है। इस बार मुकाबला इसलिए दिलचस्प है क्योंकि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने हाथ मिला लिया है, जिससे 'मराठी मानुस' और हिंदुत्व के वोट बैंक में सेंध लगने की उम्मीद जगी है।

ठाकरे बंधु: क्या 'साझा प्रभाव' काम करेगा?

बोरिवली में मराठी मतदाताओं की संख्या निर्णायक है। उद्धव सेना और मनसे (MNS) के गठबंधन ने बीजेपी के खेमे में थोड़ी चिंता जरूर पैदा की है। राजनीतिक विश्लेषक अनुसार, ठाकरे बंधुओं का साथ आना इस पारंपरिक किले में दरार डाल सकता है, खासकर उन वॉर्डों में जहां मराठी वोट बैंक और बीजेपी का कैडर आमने-सामने है।

सत्ता का समीकरण : बीजेपी का एकतरफा दबदबा

पिछले एक दशक के चुनावी आंकड़े गवाही देते हैं कि बोरिवली में बीजेपी को हराना लगभग नामुमकिन रहा है।

- 2024 विधानसभा : बीजेपी के संजय उपाध्याय ने रिकॉर्ड 1,39,947 (68.57%) वोट पाकर जीत दर्ज की, जबकि उद्धव सेना के संजय भोसले मात्र 39,690 वोटों पर सिमट गए।
- 2024 लोकसभा : पीयूष गोयल को यहां से भारी बढ़त मिली, जिससे विपक्षी दलों का 'स्थानीय बनाम बाहरी' का मुद्दा पूरी तरह विफल रहा।
- नगरसेवक शक्ति : 2017 में बीजेपी ने यहां 7 में से 5 सीटों पर कब्जा किया था।

महिला शक्तिः 7 में से 6 सीटें आरक्षित

इस बार बोरिवली का चुनावी रण पूरी तरह 'नारी शक्ति' के इर्द-गिर्द घूमेगा। आरक्षण की नई व्यवस्था ने कई दिग्गज पुरुष नेताओं के समीकरण बिगाड़ दिए हैं।

- प्रभाग क्रमांक 9 : इस प्रभाग की वर्तमान नगरसेविका कांग्रेस की श्वेता कोरगावकर हैं। 2017 के चुनाव में यह प्रभाग 'ओबीसी' (OBC) श्रेणी के लिए आरक्षित था। हालांकि, दस्तावेज के अनुसार 2025 के लिए इसके आरक्षण की जानकारी रिक्त छोड़ी गई है।
- प्रभाग क्रमांक 13 : यहाँ के प्रतिनिधि भाजपा के विद्यार्थी सिंह हैं। 2017 में यह प्रभाग 'सर्वसामान्य' (GENERAL) श्रेणी में था। 2025 के आगामी चुनावों के लिए इसे बदलकर 'OBC L' (ओबीसी महिला) के लिए आरक्षित किया गया है।
- प्रभाग क्रमांक 14 : इस प्रभाग की नगरसेविका भाजपा की आसावरी पाटील हैं। 2017 के चुनाव में यह 'सर्वसामान्य महिला' के लिए आरक्षित था। 2025 के लिए भी इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है और यह 'G L' (सर्वसामान्य महिला) श्रेणी में ही बना हुआ है।
- प्रभाग क्रमांक 15 : यहाँ के वर्तमान नगरसेवक भाजपा के प्रवीण शाह हैं। 2017 में यह प्रभाग 'सर्वसामान्य' श्रेणी के अंतर्गत आता था। 2025 के लिए इसे बदलकर 'G L' (सर्वसामान्य महिला) के लिए आरक्षित कर दिया गया है।
- प्रभाग क्रमांक 16 : इस प्रभाग का प्रतिनिधित्व भाजपा की अंजली खेडकर कर रही हैं। 2017 में यह सीट 'सर्वसामान्य महिला' के लिए आरक्षित थी। 2025 के आरक्षण तख्ते के अनुसार, इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह 'G L' (सर्वसामान्य महिला) के लिए ही आरक्षित है।
- प्रभाग क्रमांक 17 : यहाँ की वर्तमान नगरसेविका भाजपा की बिना दोशी हैं। 2017 के चुनावों में यह क्षेत्र 'सर्वसामान्य महिला' के लिए आरक्षित था और 2025 के लिए भी इसे 'G L' (सर्वसामान्य महिला) श्रेणी में ही बरकरार रखा गया है।
- प्रभाग क्रमांक 18 : इस प्रभाग की प्रतिनिधि शिवसेना (शिंदे) की संध्या दोशी हैं। 2017 में यह प्रभाग 'सर्वसामान्य' श्रेणी में था। आगामी 2025 के चुनावों के लिए इसे 'OBC L' (ओबीसी महिला) के रूप में आरक्षित किया गया है।

प्रमुख समस्याएँ (ग्राउंड रिपोर्ट आधारित)

- बोरिवली विधानसभा क्षेत्र मुंबई के अपेक्षाकृत सुव्यवस्थित इलाकों में गिना जाता है, लेकिन तेज़ी से बढ़ती आबादी और पुनर्विकास के दबाव ने यहां कई स्थायी शहरी समस्याओं को जन्म दिया है। सबसे बड़ी परेशानी यातायात जाम की है। एस.वी. रोड, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे और लिंक रोड पर पीक आवर्स में हालात बेहद खराब रहते हैं, जबकि मेट्रो निर्माण और सड़क खुदाई ने जाम की समस्या को और बढ़ा दिया है।
- दूसरी अहम समस्या पुनर्विकास (री-डेवलपमेंट) परियोजनाओं में देरी है। कई सोसायटियों में सालों से लोग अस्थायी घरों में रह रहे हैं, लेकिन बिल्डरों और प्रशासनिक अड़चनों के कारण प्रोजेक्ट अटके हुए हैं। इससे मध्यमवर्गीय और बुज़ुर्ग मतदाता सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।
- पानी की आपूर्ति और ड्रेनेज भी बोरिवली के कई हिस्सों में चिंता का विषय है। गर्मियों में कम प्रेशर और मानसून में जलभराव आम शिकायत है। खासकर निचले इलाकों और पुरानी बस्तियों में बारिश के दौरान सड़कें और गलियां जलमग्न हो जाती हैं।
- अनियोजित निर्माण और पर्यावरणीय दबाव भी बड़ा मुद्दा है। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (SGNP) से सटे इलाकों में अवैध निर्माण, हरित क्षेत्र पर दबाव और बढ़ते कचरे की समस्या लगातार बढ़ रही है। स्थानीय नागरिक समूह पर्यावरण संरक्षण को लेकर आवाज उठा रहे हैं।
- इसके अलावा पार्किंग की भारी कमी, फुटपाथों पर अतिक्रमण और बढ़ती सुरक्षा चिंताएँ (चेन स्नैचिंग, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी) भी रोज़मर्रा की समस्याओं में शामिल हैं। कुल मिलाकर, बोरिवली के मतदाता विकास चाहते हैं, लेकिन साथ ही जीवन की गुणवत्ता को लेकर उनकी अपेक्षाएँ पहले से कहीं ज्यादा बढ़ चुकी हैं।

बोरिवली मतदाता सांख्यिकी: एक नज़र में

मागाठाणे विधानसभा क्षेत्र में शिंदे गुट का पलड़ा भारी

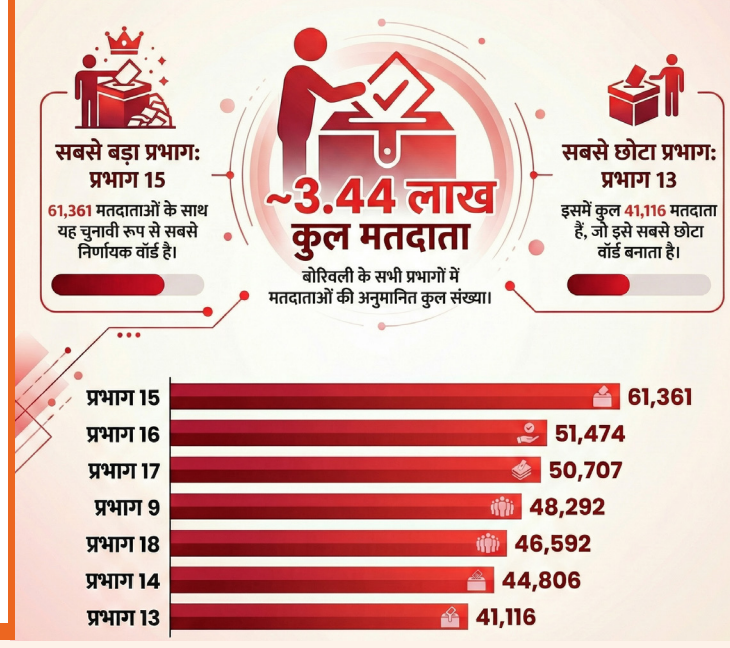

मागाठाणे विधानसभा में OBC और मराठी वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं। शिंदे गुट का स्थानीय नेटवर्क यहां मजबूत माना जाता है और कई मौजूदा नगरसेवक उसी खेमे से जुड़े रहे हैं। भाजपा से प्रतिस्पर्धा जरूर है, लेकिन कुल मिलाकर शिंदे गुट का पलड़ा भारी दिखता है।

प्रभाग क्रमांक 3

बीएमसी चुनाव 2025 के लिए प्रभाग क्रमांक 3 (दहिसर-केतकीपाड़ा) में मुकाबला बेहद कड़ा होने जा रहा है, जहां उद्धव सेना ने रोशनी गायकवाड़ को मैदान में उतारा है, तो वहीं अजित पवार गुट की एनसीपी से मनीष दुबे अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। 2017 में यहां से अविभाजित शिवसेना के बालकृष्ण ब्रीद ने जीत हासिल की थी, लेकिन अब शिवसेना में फूट के बाद महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच इस 'सामान्य' श्रेणी के वॉर्ड पर वर्चस्व की जंग छिड़ी है। क्षेत्र में पोस्टर वॉर और जनसंपर्क अभियान शुरू हो चुके हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि दहिसर चेक नाका और वैशाली नगर जैसे इलाकों का यह प्रभाग इस बार के चुनाव में सबसे हॉट सीटों में से एक होगा।

प्रभाग क्रमांक 4

बीएमसी चुनाव 2025-26 के लिए प्रभाग क्रमांक 4 (वैशाली नगर-दहिसर) में मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है, क्योंकि 2017 में 'सामान्य महिला' के लिए आरक्षित रही यह सीट अब 'ओबीसी' (OBC) वर्ग के लिए आरक्षित कर दी गई है। उद्धव सेना (UBT) ने इस सीट से राजू मुल्ला (Raju Mulla) को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस की ओर से राहुल विश्वकर्मा दावेदारी पेश कर रहे हैं। वर्तमान नगरसेविका सुजाता पाटेकर (उबाठा) का क्षेत्र होने के कारण शिवसेना (यूबीटी) के लिए यह साख का सवाल है, लेकिन आरक्षण बदलने और महायुति (BJP-शिंदे सेना) की ओर से ओबीसी कार्ड खेले जाने के कारण यहाँ त्रिकोणीय संघर्ष की स्थिति बन गई है।

प्रभाग क्रमांक 5

बीएमसी चुनाव 2025-26 के लिए प्रभाग क्रमांक 5 (दहिसर - रावलपाड़ा/कसमार बाग) में मुकाबला काफी रोचक होने वाला है, क्योंकि यह सीट ओबीसी (OBC) श्रेणी के लिए आरक्षित है। वर्तमान में इस प्रभाग का प्रतिनिधित्व शिंदे सेना के संजय घाडी कर रहे हैं, जबकि विपक्षी खेमे से उद्धव सेना (UBT) ने सुजाता पाटेकर को अपना आधिकारिक उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस की ओर से नरेन्द्र कुमार शर्मा चुनावी मैदान में ताल ठोंक रहे हैं, जिससे यहां त्रिकोणीय संघर्ष की स्थिति बन गई है। चूंकि 2017 में यह सीट ओबीसी के लिए आरक्षित थी और इस बार भी आरक्षण में कोई बदलाव नहीं हुआ है, इसलिए सभी दलों ने अपने पिछड़े वर्ग के मजबूत चेहरों पर दांव लगाया है।

प्रभाग क्रमांक 11

बीएमसी चुनाव 2026 के लिए प्रभाग क्रमांक 11 (बोरीवली-मगाठाणे) में चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं, क्योंकि यह वॉर्ड अब 'सामान्य' श्रेणी से बदलकर ओबीसी (OBC) के लिए आरक्षित कर दिया गया है। वर्तमान में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व शिंदे सेना की रिद्धी खुरसंगे कर रही हैं, लेकिन आरक्षण में बदलाव के कारण इस बार मनसे (MNS) ने कविता बागुल माने को मैदान में उतारकर मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। चूंकि नामांकन की प्रक्रिया 30 दिसंबर 2025 को समाप्त हुई है, इसलिए महायुति (BJP-शिंदे सेना) की ओर से रिद्धी खुरसंगे की मजबूत दावेदारी के सामने उद्धव सेना और कांग्रेस भी अपने ओबीसी चेहरों के साथ इस गढ़ में सेंध लगाने की तैयारी में हैं।

प्रभाग क्रमांक 12

बीएमसी चुनाव 2026 के लिए प्रभाग क्रमांक 12 (बोरीवली-नेशनल पार्क) का चुनावी रण काफी दिलचस्प हो गया है, क्योंकि इस वॉर्ड को 'सामान्य' से बदलकर ओबीसी महिला (OBC L) के लिए आरक्षित कर दिया गया है। वर्तमान में इस प्रभाग का नेतृत्व शिंदे सेना की गीता सिंघण कर रही हैं, लेकिन नए आरक्षण और राजनीतिक समीकरणों के बीच उद्धव सेना (UBT) ने सारिका झोरे को अपना उम्मीदवार बनाकर उन्हें कड़ी चुनौती दी है। महायुति (BJP-शिंदे सेना) की ओर से गीता सिंघण की साख दांव पर है, जबकि 'ठाकरे बंधुओं' (उद्धव और राज ठाकरे) के गठबंधन के बाद विपक्षी खेमा इस मराठी बहुल सीट पर जीत का परचम लहराने की पुरजोर कोशिश कर रहा है।

प्रभाग क्रमांक 25

बीएमसी चुनाव 2026 के लिए प्रभाग क्रमांक 25 (बोरीवली-ठाकुर विलेज) में इस बार मुकाबला नई दिशा की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि यह वॉर्ड 'सामान्य महिला' से बदलकर अब 'सर्वसामान्य' (General) श्रेणी में आ गया है। वर्तमान में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व उद्धव सेना (UBT) की माधुरी योगेश भोईर कर रही हैं, जिन्होंने 2017 में जीत दर्ज की थी और इस बार भी वे पार्टी की प्रमुख दावेदार मानी जा रही हैं। हालांकि, सीट के सामान्य होने से अब बीजेपी और अन्य दलों से अनुभवी पुरुष उम्मीदवारों के मैदान में उतरने की संभावना बढ़ गई है, जिससे ठाकुर विलेज जैसे हाई-प्रोफाइल रिहायशी इलाके में राजनीतिक मुकाबला पहले से कहीं अधिक तीव्र और रणनीतिक होने वाला है।

प्रभाग क्रमांक 26

बीएमसी चुनाव 2026 के लिए प्रभाग क्रमांक 26 (कांदिवली पूर्व - समता नगर/दत्ताजी पार्क) में चुनावी मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि इस वॉर्ड को 'एस.सी. महिला' से बदलकर अब एस.सी. (अनुसूचित जाति) श्रेणी के लिए आरक्षित किया गया है। वर्तमान में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व बीजेपी के प्रितम पंडागळे कर रहे हैं, और आरक्षण में हुए इस बदलाव के कारण अब यहाँ से पुरुष उम्मीदवारों के लिए भी रास्ते खुल गए हैं, जिससे महायुति (BJP-शिंदे सेना) की ओर से पंडागळे की दावेदारी फिर से मजबूत मानी जा रही है। दूसरी ओर, उद्धव सेना (UBT) और कांग्रेस भी इस सुरक्षित सीट पर अपने प्रभावशाली दलित चेहरों को उतारने की तैयारी में हैं, जिससे समता नगर और हुजेफा नगर जैसे सघन आबादी वाले क्षेत्रों में राजनीतिक समीकरण काफी दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण होने की उम्मीद है।